डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिमांशु गुप्ता जन सम्पर्क अधिकारी लायन क्लब इंटरनेशनल...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाःकान्स फिल्म समारोह में डेब्यू...

वर्ष -09 अंक -78 | प्रयागराज, मंगलवार 30 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

लाल चंदन के लट्ठे चोरी करने के मामलें में आठ लोग गिरफ्तार

चित्तूर। आंध्र प्रदेश पुलिस ने चित्तूर जिले में सोमवार को आधा टन वजन के लाल चंदन के 16 लट्ठे जब्त किए गए और इस सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। तिरुपति शेषचलम वन से लाल चंदन के लट्ठे अवैध रूप से ले जाने की सूचना मिलने पर बंगरूपालय पुलिस ने महासमुद्रम टोल गेट के चित्तूर-पालमनेर मार्ग पर निगरानी शुरू की। पुलिस की ओर से सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वाहनों को तलाशी के लिए रोका जा रहा था तथी बेंगलुरु जा रही दो कारों की तलाश के दौरान उसमें से " पुलिस को लाल चंदन के 16 लट्ठे मिले।" पुलिस ने कर्नाटक के कट्टीजेनहल्ली के इमरान की पहचान मामले में मुख्य आरोपी के तौर पर की है, जो अभी फरार है। हालांकि पुलिस कर्नाटक और तमिलनाडु के आठ लोगों अब्दुल रहिमन (26), के. महेंद्रन (35), आर. कलियप्पन (42), पी. महादेवन (36), जी. सिवन (45), आर. चिन्ना थम्बी (62), एम. शिव शंकर (30) और के. रवि (36) को पकड़ने में कामयाब रही। इमरान के अलावा, तमिलनाडु के पांच और आरोपी वेंकटेश, सुंदरमूर्ति, वसीम, वेदी और दुरई फरार भी हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

खरगे ने मध्य प्रदेश चुनाव की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस साल के आखिर में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सोमवार को पार्टी की राज्य इकाई के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल भी शामिल हुए। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह,पार्टी के राज्य प्रभारी जयप्रकाश अग्रवाल और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने इस बैठक में भाग लिया। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में संगठन और चुनाव तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। मध्यप्रदेश में इस साल नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होना है।

आगजनी-गोलीबारी, लोगों को मानव ढाल बनाने की योजना अमित शाह के मणिपुर दौरे के बाद क्या बदलेंगे हालात?

मणिपुर (एजेंसी)।विभिन्न इलाकों में लोगों पर गोलाबारी और उग्रवादियों-सुरक्षाबलों के बीच झड़पों की अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई है जबकि 12 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले के फयेंग में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों की गोलाबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। वहीं सुगनू में हुई गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। मैतई समुदाय की ओर से एसटी के दर्जे की मांग के विरोध में 3 मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद मणिपुर में जातीय झड़पों में 75 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

भारतीय सेना ने हिंसा प्रभावित मणिपुर में हमला करने और विनाश करने के लिए मानव ढाल के रूप में महिलाओं और बच्चों सहित निर्दोष लोगों का उपयोग करने के लिए विद्रोहियों द्वारा एक नापाक साजिश का खुलासा किया है। 28 मई को भारतीय सेना के एक ट्वीट ने विद्रोहियों द्वारा गांवों और सुरक्षा बलों पर हमला करते समय मानव ढाल का उपयोग करने की योजना के टेप को इंटरसेप्ट किया। ट्वीट में विद्रोहियों की निर्दोष नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करने और सुरक्षा बलों को उनके कर्तव्यों को निभाने से रोकने की योजना के बारे में बात की गई है। गृह मंत्रालय (एमएचए) के सूत्रों ने कहा कि मणिपुर में तनाव जारी है और राज्य के विभिन्न कोनों से हिंसा की खबरें आ रही हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार शाम इंफाल पहुंचेंगे। शाह राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर होंगे। सूत्रों ने कहा कि शाह के न केवल सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित करने की संभावना है, बल्कि स्थिति को हल करने के तरीकों पर चर्चा के लिए मेतेई और कुकी को एक साथ लाएंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब राज्य में हिंसा भड़क उठी है और विभिन्न स्थानों से गोलीबारी, तोड़फोड़ और आगजनी की कई घटनाएं सामने आ रही हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि सुरक्षाबलों ने राज्य में शांति कायम करने के लिए अभियान शुरू करने के बाद घरों में आगजनी और लोगों पर गोलीबारी करने में शामिल लगभग 40 उग्रवादियों को मार गिराया है। उग्रवादियों की ओर से एके47, एम-16 और स्नाइपर राइफल से लोगों पर गोलीबारी करने के मामले सामने आए हैं। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में इन उग्रवादियों को निशाना बनाया।

गली गली में कितनी केरला स्टोरी? साक्षी के खौफनाक मर्डर पर भड़के कपिल मिश्रा, कहा- एक और नाबालिग हिंदू लड़की...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता कपिल मिश्रा ने दिल्ली में एक लड़की की जघन्य हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और अपराध को 'द केरला स्टोरी' फिल्म से कनेक्ट किया। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि 'दिल्ली में यह दर्दनाक हत्या हो रही है। एक और नाबालिग हिंदू लड़की को कुचल कुचल कर मारा जा रहा है मारने वाला सरफ़राज़ का पुत्र साहिल। कपिल मिश्रा ने पूछा कि गली गली में कितनी केरला स्टोरी? श्रद्धा को अभी तक न्याय नहीं मिला और ना जाने कितनी और श्रद्धा इस हैवानियत का शिकार हर दिन बन रहीं हैं। रोहिणी के शाहबाद डेयरी इलाके में दिल्ली की झुग्गी बस्ती में एक 16 वर्षीय लड़की को उसके घर के बाहर एक व्यक्ति ने 20 से अधिक बार चाकू मारा। पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई। आरोपी ने चाकू से करीब 20 बार बच्ची पर वार किया। घटना इतनी क्रूर थी कि एक बार चाकू पीड़िता के सिर में फंस गया। इसके बाद आरोपी ने पास में पड़ा सीमेंट का एक भारी स्लैब उठाया और लोगों के गुजरते ही उसे पीटना शुरू कर दिया, लेकिन किसी ने भी हस्तक्षेप करने या आरोपी को रोकने की कोशिश नहीं की। बाद में फरार फरार आरोपी साहिल की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी लगातार की जा रही थी। अब ताजा खबर के अनुसार दिल्ली पुलिस ने साक्षी मर्डर के केस आरोपी साहिल को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर बोले योगेश्वर दत्त विपक्षी पार्टियों ने पहलवानों का किया गलत इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद और डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के नेतृत्व में पहलवानों का प्रदर्शन जारी है। हालांकि, 28 मई को प्रदर्शन के दौरान बवाल भी देखने को मिला। प्रदर्शन कर रहे पहलवान संसद भवन की ओर मार्च कर रहे थे। लेकिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें वहां जाने से रोका। इस दौरान पहलवान और दिल्ली पुलिस के बीच झड़प पर भी देखने को मिली। अब यह मामला पूरी तरीके से राजनीतिक रंग लेता हुआ दिखाई दे रहा है।

वहीं दिल्ली पुलिस के एक्शन को लेकर पहलवान योगेश्वर दत्त का भी बयान सामने आया है। अपने बयान में योगेश्वर दत्त ने साफ तौर पर कहा कि विपक्षी पार्टियों ने पहलवानों का गलत इस्तेमाल किया और देश की छवि खराब करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पहलवानों की मांग थी कि एफआईआर दर्ज की जाए और इसे दर्ज कर लिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने कहा, 'अगर बाहर से लोग वहां आएंगे और दंगा करेंगे तो पुलिस कार्रवाई करेगी।'

विपक्षी दल जबरदस्त तरीके से दिल्ली पुलिस और केंद्र की भाजपा सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने आरोप लगाया कि सरकार महिला खिलाड़ियों की आवाज को निर्ममता से बूटों तले रौंद रही है। प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, "खिलाड़ियों की छाती पर लगे मेडल हमारे देश की शान होते हैं। उन मेडलों से, खिलाड़ियों की मेहनत से देश का मान बढ़ता है। भाजपा सरकार का अहंकार इतना बढ़ गया है कि सरकार हमारी महिला खिलाड़ियों की आवाजों को निर्ममता के साथ बूटों तले रौंद रही है।" उन्होंने कहा, " ये एकदम गलत है। पूरा देश सरकार के अहंकार और इस अन्याय को देख रहा है।

ईडी ने आबकारी नीति घोटाले को लेकर किया बड़ा खुलासा, मनीष सिसोदिया ने 43 सिम कार्ड का किया था इस्तेमाल

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने खुलासा किया है कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आबकारी पुलिस घोटाले के सिलसिले में 14 अलग-अलग मोबाइल फोन में 43 सिम कार्ड का इस्तेमाल किया था। यह भी आरोप लगाया गया है कि उसने जांच में बाधा डालने और सबूत मिटाने के लिए फोन नष्ट कर दिए। सूत्रों ने दावा किया कि 43 सिम कार्डों में से ईडी की जांच से पता चला है कि केवल पांच आप नेता के नाम पर जारी किए गए थे या उनके स्वामित्व में थे। सिसोदिया ने ईडी को बताया कि सीबीआई द्वारा जब्त किए गए फोन से पहले इस्तेमाल किया गया फोन टूट गया था और अब मेरे पास नहीं है। मुझे याद नहीं है कि क्षतिग्रस्त फोन अब कहां है। ईडी ने सिसोदिया द्वारा कथित रूप से नष्ट किए गए 14 मोबाइल फोन के असली मालिकों के बारे में जानकारी एकत्र की। पता चला कि ये फोन देवेंद्र शर्मा, सुधीर कुमार, जाव्द खान और रेमाडो क्लॉथ्स नाम की एक कंपनी के हैं।

केजरीवाल ने घटना को बताया दुखद, बोले- एलजी साहब, कानून व्यवस्था आपकी ज़िम्मेदारी, कुछ कीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शाहबाद डेयरी थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय लड़की की 20 वर्षीय एक लड़के द्वारा बेरहमी से चाकू मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। इसको लेकर पुलिस की जांच जारी है। हालांकि, मुख्य आरोपी शाहिल को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसको लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। दावा किया जा रहा है कि लड़का और लड़की एक दूसरे को पहले से जानते थे। घटना की जांच के लिए 6 टीमें बनाई गई है।

अरविंद केजरीवाल ने एक ट्वीट करते हुए इस घटना को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। केजरीवाल ने अपने ट्वीट में लिखा कि दिल्ली में खुलेआम एक नाबालिग बच्ची की बेरहमी से हत्या कर दी जाती है। ये बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। अपराधी बेखौफ़ हो गए हैं, पुलिस का कोई डर ही नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एलजी साहब, क़ानून व्यवस्था आपकी ज़िम्मेदारी है, कुछ कीजिए। दिल्ली के लोगों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। दिल्ली के मंत्री

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एलजी साब अगर अपना काम नहीं कर रहे तो क्या जवाबदेही है? दिल्ली की क़ानून व्यवस्था सबसे निम्न स्तर पर पहुँच गई है। खुले आम खून हो रहे हैं। आज भी शाहबाद की घटना बहुत शर्मनाक है। एलजी साब बिलकुल फेल हो गए हैं।

दिल्ली में 16 साल की बच्ची की हत्या के मामले में आरोपी साहिल गिरफ्तार हुआ है। शहाबाद हत्या मामले पर ँअ्ङ आउटर-नॉर्थ राजा बंथिया ने कहा था कि लड़का और लड़की एक दूसरे को पहले से जानते थे लेकिन कबसे जानते थे यह जांच का विषय है। हमारे पास अभी ज़्यादा जानकारी नहीं आई है, हम इसमें जानकारी इकठ्ठा कर रहे हैं। 6 टीमें जांच के लिए बनाई गई है। उन्होंने बताया कि चाकू से 20 से ज़्यादा वार किए गए हैं।

दिल्ली में इस रणनीति के जरिए केजरीवाल की घेराबंदी करने की कोशिश में जुटी भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगभग एक ही समय सत्ता में आए थे। मोदी को जहां केंद्र की

सत्ता मिली तो वहीं, केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि, भाजपा ने दावा किया कि तब से दोनों ने जो हासिल किया है, उसके बीच एक अंतर था। भाजपा फिलहाल दिल्ली में केजरीवाल सरकार के खिलाफ जबरदस्त अभियान चला रही है और केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियां बता रही है। इसको लेकर भाजपा ने दिल्ली के 17 विधानसभा क्षेत्रों में बैठकें आयोजित कीं। इन बैठकों में भाजपा ने जहां मोदी सरकार की उपलब्धियां गिगाई तो वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री की कमी को लोगों के समक्ष रखा। राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि कि पीएम मोदी ने लगभग एक साल के अंतराल में केंद्र में और केजरीवाल ने दिल्ली में सत्ता संभाली लेकिन उनकी उपलब्धियों में महत्वपूर्ण अंतर था। तावड़े ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के करोड़ों लोगों के लिए जो किया है, आज देश ही नहीं, पूरी दुनिया उसकी तारीफ कर रही है, जबकि दिल्ली की केजरीवाल सरकार अब भी आरोप-प्रत्यारोप कर रही है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गंदी राजनीति के कारण दिल्ली केंद्र सरकार की कई योजनाओं से वंचित रह गई।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि उन्होंने ऐसा कोई काम नहीं किया जिसके कारण केजरीवाल आम जनता के बीच जाकर उन्हें इसके बारे में बता सके। मोहल्ला क्लीनिक पर केजरीवाल का चेहरा आज चमक रहा है, लेकिन जरूरी दवाइयां तक ??नहीं मिल रही हैं। बीजेपी इन जन चेतना सभाओं में दिल्ली के लोगों द्वारा उठाई गई समस्याओं और उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर काम करेगी और उनका समाधान करेगी। दिल्ली के जिन विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी ने ये सभाएं की उनमें बदरपुर, जनकपुरी, रोहिणी, मोती नगर, बिजवासन, महरौली, सीमापुरी, मुस्तफाबाद, कोंडली, त्रिनगर, तिलक नगर, बादली, किरारी, शकूर बस्ती, सदर बाजार, मादीपुर और मालवीय नगर शामिल हैं।

2,000 रुपये के नोट लाने, वापस लेने से भारतीय मुद्रा की स्थिरता पर संदेह पैदा हुआः चिदंबरम

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को कहा कि 2,000 रुपये का नोट जारी करने और बाद में इसे वापस लेने से भारतीय मुद्रा की अखंडता और स्थिरता पर संदेह पैदा हुआ है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रमुख आर्थिक संकेतक नीचे की ओर इशारा कर रहे हैं और इस बात का भरोसा कम है कि अर्थव्यवस्था उच्च वृद्धि के रास्ते पर पहुंच जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर की स्थिति खतरनाक है और इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लगातार चुप्पी से सवाल उठते हैं। मणिपुर में जातीय संघर्षों में 75 से अधिक लोगों की जान चली गई है। चिदंबरम ने कहा कि इससे भी बुरी बात यह है कि सरकार अपनी गलतियों को सुधारने की कोशिश भी नहीं करती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में 2000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी और लोगों से इसे 30 सितंबर तक बैंकों में जमा करने या बदलने के लिए कहा। चिदंबरम ने कहा, 2000 रुपये के नोट की शुरुआत और उसे वापस लेने के दर्दनाक तमाशे ने भारतीय मुद्रा की अखंडता और स्थिरता पर संदेह पैदा किया है।

महबूबा मुफ्ती ने पहले शिव मंदिर में किया जलाभिषेक

अब माता खीर भवानी मंदिर में की पूजा-अर्चना,चल क्या रहा है?

नई दिल्ली। इस साल मार्च महीने में जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने पुंछ जिले के नवग्रह मंदिर जाकर शिवलिंग का जलाभिषेक कर पुष्प अर्पित किये थे। अब महबूबा मुफ्ती ने वार्षिक खीर भवानी मेले के दौरान खीर भवानी मंदिर जाकर माता के दर्शन और पूजन किये। महबूबा के इस बदले हुए रूप और उनके मंदिरों के दौरे को लेकर तमाम तरह की बातें कही जा रहीं हैं लेकिन महबूबा का कहना है कि ऐसा उन्होंने साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने के लिए किया। वैसे महबूबा कुछ भी कहें लेकिन उनकी ओर से पहले शिव और अब मां दुर्गा की स्वरूप माता खीर भवानी की पूजा के अलग-अलग मायने भी निकाले जा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि जब महबूबा शिव मंदिर गयी थीं तब मुस्लिम धर्मगुरु भड़क गये थे और फतवा जारी किया था इसलिए देखना होगा कि अब उनके खीर भवानी मंदिर जाने पर मुस्लिम धर्मगुरु क्या रुख अपनाते हैं?

दूसरी ओर, जहां तक जम्मू-कश्मीर में गंदेरबल जिले के प्रसिद्ध रागन्या देवी मंदिर में लगे भव्य और वार्षिक खीर भवानी मेले की बात है तो आपको बता दें कि इसमें सैंकड़ों कश्मीरी पंडितों ने हिस्सा लिया। मध्य कश्मीर जिले में चिनार के विशाल पेड़ों की छाया में स्थित इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई, जिनमें से अधिकांश कश्मीरी पंडित थे जो

देश के कई हिस्सों से यहां आए थे। मेले में आए भक्त नंगे पैर चल रहे थे, गुलाब की पंखुड़ियां ले जा रहे थे और देवी को अर्पित कर रहे थे। इस दौरान पुरुषों ने मंदिर के करीब जलधारा में डुबकी भी लगाई। इस दौरान मंदिर परिसर में भजनों की गूंज सुनाई दी और श्रद्धालुओं ने परिसर के भीतर दूध और खीर (चावल की खीर) चढ़ाते हुए देवी को प्रणाम किया। साम्प्रदायिक सौहार्द का प्रतीक यह मेला शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया और प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा सहित व्यापक इंतजाम किए थे।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी इस अवसर पर मंदिर में दर्शन किये। महबूबा ने कहा कि उन्होंने घाटी में कश्मीरी पंडितों की गरिमापूर्ण वापसी के लिए प्रार्थना की। महबूबा मुफ्ती ने संवाददाताओं से कहा, "मैं यहां जम्मू और अन्य जगहों से आए हमारे कश्मीरी पंडित भाइयों का स्वागत करने आई हूं। हम यहां इन लोगों की गरिमापूर्ण वापसी के लिए प्रार्थना करने के लिए आए हैं ताकि एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम-कश्मीरी पंडित जम्मू-कश्मीर में भाईचारे के साथ रह सकें।" दूसरी ओर, श्रद्धालुओं ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए आयोजन को शानदार बताया तो वहीं स्थानीय मुस्लिमों ने भी कहा कि हमें इस मेले में श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए खुशी होती है।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका के टेक्सास में भी कश्मीरी पंडितों ने पूरे भक्ति भाव के साथ ज्येष्ठ अष्टमी पर्व मनाया। ऑस्टिन और डलास जैसे विभिन्न शहरों के 200 से अधिक परिवार ह्यूस्टन पहुंचे और उन्होंने हिंदू पूजा सोसायटी मंदिर में पूजा अर्चना की। इस उत्सव के लिए मंदिर में खासतौर पर सजावट की गई थी। 'टेक्सास कश्मीरी बिरादरी' के अध्यक्ष अमित रैना ने कहा कि टेक्सास में कश्मीरी हिंदू समुदाय बहुत जीवंत और एकजुट है। उन्होंने कहा, "हम हर साल शिवरात्रि, नवरेह और दिवाली जैसे तीन-चार प्रमुख त्योहार साथ मिलकर मनाते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे बच्चे समृद्ध कश्मीरी सांस्कृतिक मूल्यों तथा लोकाचार को आत्मसात करें।"

साड़ी के फंदे के सहारे पेड़ से लटकता हुआ 17 वर्षीय किशोरी का शव मिलने से क्षेत्र में मचा हड़कंप

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र।स्थानीय हाथी नाला क्षेत्र के साड़ी के फंदे के सहारे पेड़ से लटकता हुआ 17 वर्षीय किशोरी शव मिलने से क्षेत्र में मचा हड़कंप इस संबंध में हाथी नाला थानाध्यक्ष श्याम बिहारी से मिली जानकारी के मुताबिक पुरुषोत्तम अगरिया पुत्र स्वर्गीय बुद्धू निवासी ग्राम डाला पीपल थाना हाथीनाला ने लिखित सूचना दिया कि मेरी लड़की फुलवंती उम्र करीब 17 वर्ष जो दिमाग से कुछ कमजोर थी करीब 10:30 बजे के पहले घर से बाहर निकल गई जब वापस नहीं आई तो खोज बिन किया गया तो पता चला की पेड़ मे साड़ी के फंदे के सहारे लटकता हुई हैं जिसकी मौत हो गई है यह सूचना पाते ही तत्काल ही उपनिरीक्षक प्रेम शंकर मिश्रा मय फोर्स के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर पेड़ से लटकते हुए शव क परिजनों के सहयोग से नीचे उतरवाया गया विधिक कार्रवाई की जा रही है।

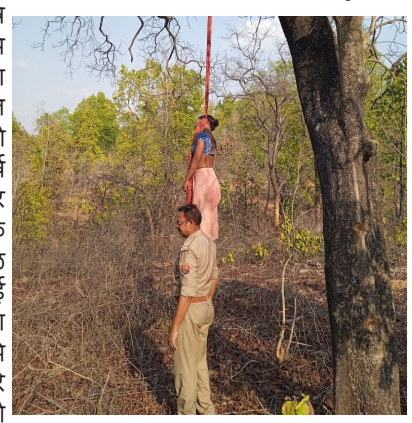

यमुना में स्नान करने गई दो किशोरियां डूबीं एक का शव बरामद, दूसरी की तलाश जारी

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। यमुना नदी में स्नान करने गई दो किशोरियां नदी में डूब गईं। दोनों किशोरियां नहाते समय गहरे पानी में चली गईं। आस पास के लोगों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन बचा नहीं सके। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने लोगों की मदद से एक किशोरी का शव नदी से बाहर निकाला।

जबकि दूसरी किशोरी का शव पुलिस को अभी नहीं मिल पाया है। उसकी तलाश जारी है।मामला लालापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नौडिया तरहार गांव का है। गांव की ही जागृति द्विवेदी (14) और परी (15) अपने भाई पप्पू के साथ गांव के ही बगल स्थित यमुना घाट पर स्नान करने के लिए गई थीं। पप्पू ने बताया कि हम तीनों लोग नदी में नहा रहे थे।

नहाते समय अचानक से दोनों लड़कियां गहरे पानी में चली गईं। वे चीखने चिल्लाने लगीं। तब तक पप्पू बाहर निकला और लोगों से बचाने की गुहार करने लगा।बच्चे की चीखने कीआवाज सुनकर आस पास के लोग दौड़ पड़े।

उन्होंने बताया कि श्रेया और जागृति अपने छोटे भाई को तट पर खड़ा करके यमुना नदी में नहाने के लिए उतरीं लेकिन वे गहरे पानी में चली गईं जिससे डूबने से उनकी मृत्यु हो गई। दोनों के शवों को नदी से निकाल लिया गया है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सोइराई में दो पक्षों में मारपीट तीन घायल

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। थाना अंतर्गत सोइराई गांव में सोमवार सुबह 9 बजे दो पक्ष निर्माणाधीन मकान को लेकर भिड़ गए। जिसमें एक पक्ष की अर्चना पांडेय पत्नी आशुतोष पांडेय को गंभीर चोटे आई तो दूसरे पक्ष से जय प्रकाश दुबे पुत्र श्री प्रकाश दुबे को गंभीर चोटे आई। अर्चना पांडेय के अनुसार उसका निर्माणाधीन मकान सुबह लामबंद होकर कई लोग चढ आये और 6 फीट ऊंची दीवार जोर जबरदस्ती से ढकेल दिया। अर्चना का कथन है कि वह घर में अकेली थी तभी विरोधियों ने हमला कर दिया। जिसमें अर्चना व जयप्रकाश को चोटे आई। मामला थाना फूलपुर आया वहां दोनों पक्षों की तहरीर लेकर सीएचसी फूलपुर मेडिकल हेतु भेजा गया।

फूलपुर थाना गेट पर हर समय लगता है जाम

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। फूलपुर थाना गेट के सामने एजी मार्ग पर प्राइवेट बसों ऑटो टेंपो आदि द्वारा भीड़ लगाकर सवारियां भरने के चक्कर में सदैव जाम की स्थिति बनी रहती है। जिससे छोटे-मोटे वाहन भी जाम में फस जाते हैं। 2 दिन पूर्व समाचार पत्रों में अवैध वाहन अड्डों पर प्रदेश के मुखिया ने सख्ती दिखाई थी। परंतु कस्बे से लेकर ग्रामीण बाजारों तक कोई असर नहीं दिखा।

कमीशनखोरी का बना अड्डा,चोपन स्थित सरकारी अस्पताल

आधुनिक समाचार सेवा

डाला/सोनभद्र - सामुदायिक स्वादथ केंद्र चोपन बना कमीशन खोरी का अड्डा , ज्यादा तर दवाएं प्राइवेट तौर पर लेने के लिए भेजा जाता है बाहर। चोपन स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इस समय कमीशन का अड्डा बन गया । जहां मंहगाई की मार झेल रहे गरीब, जनता अपना इलाज कराने हॉस्पिटल जाते है वहीं मौजूद डॉक्टर खाना पूर्ति करते हुए चिन्हित दुकानों और कागज के टुकड़े पर दवा लिख कर भेज देते हैं। ऐसे में ग्रामीण परेशान होकर चिन्हित दवाल की दुकान खोजते फिरते है। दवा वही लिखी जाती है जिस पर कमीशन भी ज्यादा मिलता है । ग्रामीण कहाँ से कैसे और पैसे एकत्रित करते है पैसा इससे डॉक्टर साहब को क्या लेना देना , अपना कमीशन बनता , भाड़ में जाये जनता । वही दूसरी तरफ एक्सरे हॉस्पिटल में मौजूद हो जॉने के बाद भी मरीजो को कमीशन के चक्कर मे चिन्हित एक्सरे सेंटर पर भेज दिया जाता है। चोपन हॉस्पिटल के डॉक्टर के लिए सरकार की छवि धूमिल करना आम बात बन गया है । वहीं दूर से आती है महिलाएं डिलीवरी के लिए यदि कमीशन बना तो ठीक नहीं तो तुरंत रेफर कर दिया जाता है जिला अस्पताल के लिए।

वार्षिक रिर्टन दाखिल किये बिना नहीं हो पाएगा लाइसेन्स का नवीनीकरण

आधुनिक समाचार सेवा

प्रतापगढ़। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-द्वितीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उ0प्र0 लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देश के क्रम में जनपद के समस्त विनिर्माण प्रतिष्ठानों के प्रोपराइट/डायरेक्टर/नोमिनी को निर्देशित किया है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 का वार्षिक रिर्टन (डी-1 प्रारूप) 31 मई 2023 के पूर्व एफओएससीओएस पोर्टल के माध्यम से दाखिल करना सुनिश्चित करें।

वार्षिक रिर्टन के अन्तर्गत विनिर्माण (राइस मिलर, नमकीन, कचरी, बेवरेजेज, मिल्क, पेयजल पैकजिंग व अन्य) रिलेबलर, रिपैकर, निर्यातक श्रेणी के प्रतिष्ठान आच्छादित होगें। उन्होने बताया है कि रिर्टन केवल आनलाइन दाखिल किये जा सकेगें। अलग-अलग प्रतिष्ठानों के लिये अलग-अलग रिर्टन दाखिल किया जायेगा। वार्षिक रिर्टन ई-मेल या व्यक्तिगत रूप से प्रेषित किये जाने पर स्वीकार नहीं किये जायेगें।

वार्षिक रिर्टन विलम्ब (31 मई 2023 के पश्चात्) से दाखिल किये जाने की स्थिति में प्रतिदिन रूपया 100 विलम्ब शुल्क आनलाइन देय होगा। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये अधिकतम विलम्ब शुल्क वार्षिक लाइसेन्स शुल्क का पांच गुना देय होगा। वार्षिक रिर्टन दाखिल किये बिना लाइसेन्स का नवीनीकरण नहीं हो सकेगा।

ट्रक मे बाइक के टकराने से एक व्यक्ति की हुई मौत दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से हुआ घायल

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। वाराणसी शक्तिनगर मार्ग के बीच मधुपुर ओवर ब्रिज के ऊपर की घटना बैजु बाबा के बगल की पेट्रोल टंकी के मालिक की मौके पर मौत हो गई बताया जा रहा है की बाइक सवार कल्लू पाल उम्र 56 पेट्रोल पंप के मालिक बताये जा रहे है ।जिनका निवास स्थान अहरौरा बताया जा रहा है ।बताया जा रहा है की बाइक पर दो लोग बैठे थे ।जिसमे एक की मौत दूसरा बक्ति बुरी तरह घायल हुआ है।बाइक का नंबर ल ज 64 झ3837 और बताया जा रहा है की एंबुलेंस को फोन करने पर कई घंटो तक एंबुलेंस का पता नहीं चला ।लोगो ने 112 नंबर को फोन करके बुलाया और उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया ।और आगे की कार्यवाही में पुलिस प्रशासन लग गई है।

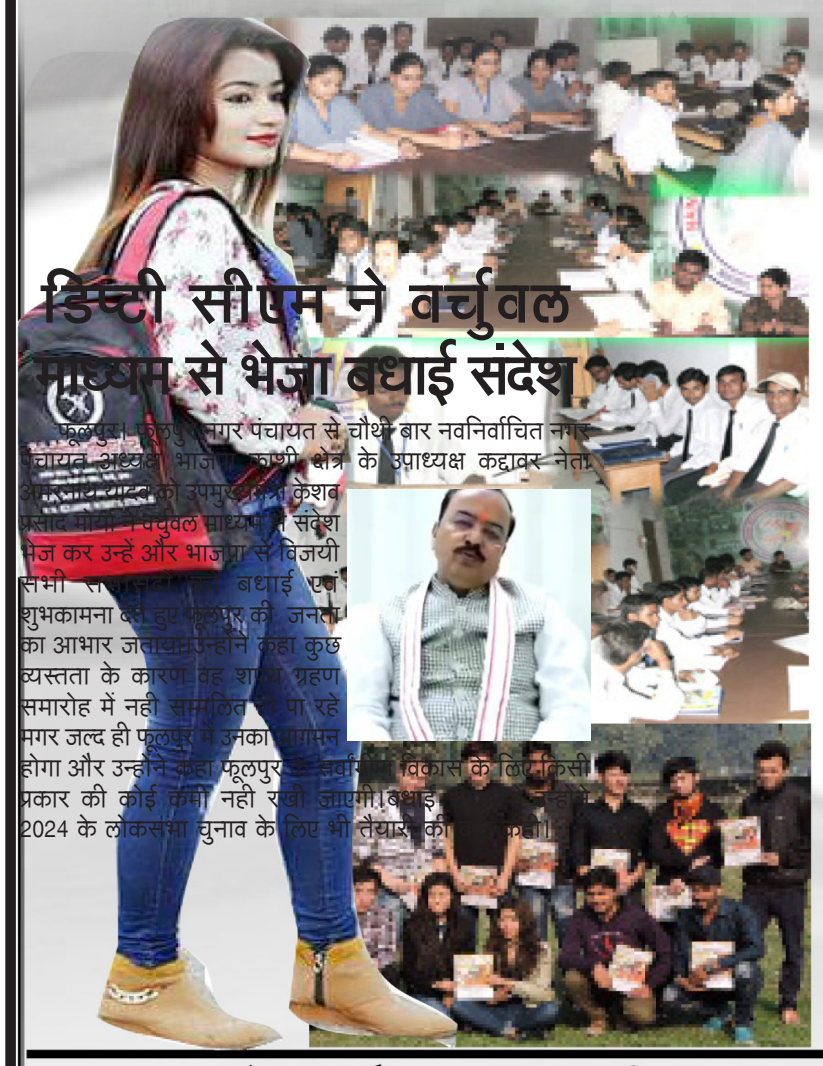

काजमीन जहां को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर पार्टी हुई मजबूत - नसीर उद्दीन राईन

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर प्रयागराज नगर पंचायत फूलपुर की पूर्व चेयरमैन श्रीमती काज़मीन जहां सिद्दीकी को महिला सभा राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर फूलपुर के सपाईयों में हर्ष व्याप्त है समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष नसीर उद्दीन राईन ने कहा कि काजमीन जहां सिद्दीकी ने हमेशा पार्टी को मजबूत करने के लिए सड़क पर संघर्ष करने वा गरीबों मजलूमों मजबूरों के हक की लड़ाई लड़ती रहती है इनके राष्ट्रीय सचिव बनने से उत्तर प्रदेश सहित हिन्दूस्तान के सभी राज्यों में समाजवादी पार्टी को मजबूती मिलेगी जिसका फायदा 2024 लोक सभा चुनाव मिलेगा इनके मनोनय पर रंगी लाल यादव,सभासद अरशद उल्लाह, कुमार मंगल,मो अनीस मंसूरी,शौरभ यादव, सुजीत यादव,सभासद सुबीही सिद्दीकी, मुराद मंसूरी, मोहम्मद इरफान, वाजिद तुफानी, विरेन्द्र यादव भीम, महेंद्र गुप्ता, आदि सपाईयों ने काजमीन जहां को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

दो बाइक की आमने-सामने हुई ज़ोरदार टक्कर, वृद्ध समेत दो घायल

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के डाला चढ़ाई के पास बीती रात दो बाइक सवारों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें दो बाइक सवार घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार वाराणसी-शक्तिनगर राज्य मार्ग पर स्थित डाला चढ़ाई के पास रविवार की देर रात रामानुज सेठ पुत्र रमाशंकर सेठ उम्र करीब 30 वर्ष निवासी भावा थाना मड़िहान, मिर्जापुर, हाल पता शिवा पार्क रेणुकूट थाना पिपरी सोनभद्र व रजनीश पांडे निवासी चकिया, चंदौली हाल पता रेणुकूट थाना पिपरी सोनभद्र बताया जा रहा है,जो दोनो एक बाइक पर सवार होकर मधुपुर से रेणुकूट की तरफ जा रहे थे की दूसरी बाइक पर सवार रामबली मिश्रा पुत्र स्वर्गीय गणेश मिश्रा उम्र करीब 65 वर्ष निवासी डाला बाजार, की बाइक से जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें 2 लोग घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय पुलिस घायल

बाइक सवार रामानुज सेठ व रामबली मिश्रा को नजदीकी चिकित्सालय भर्ती कराया रामबली मिश्रा के सिर में चोट लगने के कारण स्थिति को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर ने गंभीर स्थिति को देखते हुए वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

विश्व संवाद केंद्र, गौतमबुद्ध नगर द्वारा संपन्न हुआ देवर्षि नारद जयंती और हिंदी पत्रकारिता दिवस पर कार्यक्रम का भव्य आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा। विश्व संवाद केंद्र ने नोएडा सेक्टर 74 सुपरटेक केपटाउन में देवर्षि नारद जयंती और हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष में पत्रकार विचार गोष्ठी का विशाल आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री रवि पाराशर (प्रमुख हिन्दी आउटपुट) ने की एवम मुख्य अतिथि श्री राकेश उपाध्याय (निदेशक - हिंदी पत्रकारिता विभाग आईआईएमसी नई दिल्ली) रहे जिसमे पत्रकारिता जगत से जुड़े कई बड़ी हस्तिया उपस्थित रही कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री सुमित अवस्थी (वरिष्ठ पत्रकार) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मेरठ प्रांत के सोशल मीडिया प्रमुख श्री पंकज राज शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर सम्मिलित हुए। रवि पाराशर ने बताया की स्वतंत्रता के पहले और बाद में पत्रकारिता की दृष्टि समाज के प्रति एक जैसी नहीं रही समाज के सकारात्मक पहलू को आगे बढ़ाना , आम जनमानस की समस्याओं को आकर रखना और राष्ट्र उत्थान में पत्रकार की भूमिका कैसे सुव्यवस्थित हो सके इस पर हम सभी को मिलकर विचार करना चाहिए।

नोवरा और प्राधिकरण ने चलाया आर आर आर अभियान

आधुनिक समाचार सेवा

नॉएडा विलेज रेसिडेंट्स एसोसिएशन ने ग्राम रोहिल्लापुर सेक्टर 132 स्थित आनंद ब्लिस में आर आर आर अभियान में अपना योगदान दिया , गौरतलब है की यह अभियान नॉएडा प्राधिकरण द्वारा शहर में चलाया जा रहा है , जो आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय , भारत सरकार के 'मेरी ज़िन्दगी , मेरा स्वच्छ शहर ' अभियान का एक हिस्सा है। प्राधिकरण ने इस बाबत रिड्यूज , रियूज , रीसाइकल के लिए संग्रह केंद्र तो स्थापित किये ही हैं साथ ही जगह जगह कैंप लगाकर सामान एकत्रित भी किया जा रहा है , इसमें पुराने कपडे , जूते , किताबें आदि को ठीक करके उन्हें ज़रूरतमंदों तक पहुँचाया जायेगा एवं प्लास्टिक को रियुज़ करने की कोशिश की जाएगी।

नोवरा के अध्यक्ष श्री रंजन तोमर ने कहा की यह एक बेहद पवित्र अभियान है , पर्यावरण के संवर्धन हेतु जो भी अभियान प्राधिकरण चलाएगा संस्था द्वारा उसका सहयोग किया जायेगा , नोवरा के माध्यम से सभी

ग्रामीणों जागरूक भी किया जाएगा के इस मुहीम में सभी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें। शहर को नंबर एक बनाने में अपना योगदान दें। इस मुहीम को कारगर रूप से चलाने हेतु श्री तोमर ने सीईओ महोदया श्रीमती ऋतू माहेश्वरी का और हेल्थ डीजीएम श्री एस पी सिंह का धन्यवाद किया

आनंद ब्लिस के संस्थापक श्री विपिन तोमर ने कहा की ग्रामीणों के लिए ही नहीं शहरी जनता को भी जगाने की कोशिश की जायेगी , नॉएडा को अपना शहर मानकर इसे सबसे स्वच्छ बनाने हेतु और ज़रूरतमंदों से अपने कपडे , किताबें आदि साझा करने से बड़ा परोपकार कोई नहीं होता। इस दौरान नोवरा के उपाध्यक्ष श्री अजय चौहान ,महासचिव श्री पुनीत राणा , रोहिल्लापुर गाँव से श्री जगदीश सिंह तोमर , श्री जगत सिंह तोमर जी , श्री सोनू यादव , श्री हरिंदर यादव , नोवरा के युवा सदस्य श्री आश्विन ,आरुष समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे , नॉएडा प्राधिकरण की तरफ से श्री अवनीश कुमार चौहान ने उपस्थिति दर्ज़ कराई।

एनडीपीएस एक्टः चार दोषियों को 20-20 वर्ष की कैद

तीन दोषियों पर 2 लाख 27 हजार रूपये अर्थदंड व एक दोषी पर 2 लाख रूपये अर्थदंड, न देने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

पौने तीन वर्ष पूर्व ट्रक से जा रहा 3 कुंतल 80 किग्रा गांजा के साथ विंढमगंज पुलिस ने पकड़ा था

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। पौने तीन वर्ष पूर्व ट्रक से जा रहा 3 कुंतल 80 किग्रा अवैध गांजा के साथ पकड़े गए चार दोषियों को दोषसिद्ध पाकर सोमवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम खलीकुज्जमा की अदालत ने 20- 20 वर्ष की कैद की सजा सुनाई है। जिसमें तीन दोषियों पर 2 लाख 27 हजार रूपये अर्थदंड व एक दोषी पर 2 लाख रूपये अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड न देने पर एक -एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक 27 जुलाई 2020 को विंढमगंज एसओ प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ देखभाल क्षेत्र में थे कि मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि एक ट्रक दुद्धी को ओर से नाजायज गांजा लेकर जा रहा है। अगर मौके पर चला जाए तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर विश्वास करके पुलिस बल के साथ घिवही रेलवे क्रासिंग पहुंच कर चेकिंग किया तो एक ट्रक पकड़ी गई। साथ ही 13 बोरी में रखा 3 कुंतल 80 किग्रा नाजायज गांजा बरामद हुआ था। इस दौरान वकील यादव पुत्र लालबाबू निवासी नई छपरा सुलेमनपुर, थाना बेरिया, जिला बलिया उत्तर प्रदेश, गौरीशंकर यादव पुत्र सीताराम यादव निवासी बनकट, थाना शाहपुर, जिला भोजपुर बिहार व सुजीत कुमार यादव पुत्र सीताराम यादव निवासी ग्राम हवाशपुर, थाना कृष्णागढ़, जिला भोजपुर बिहार गिरफ्तार हुए थे। वहीं एक अभियुक्त चांद गोविंद यादव पुत्र स्वर्गीय दीनानाथ यादव निवासी चितकुरी चकिया, थाना आरा मुफलिस, जिला भोजपुर बिहार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में एफ आई आर दर्ज कर मामले की विवेचना की। मामले की विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर तीन दोषियों क्रमशः वकील यादव, गौरीशंकर यादव व सुजीत कुमार यादव को 20- 20 वर्ष की कैद व प्रत्येक पर 2 लाख 27 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं एक अन्य दोषी चांद गोविंद यादव को दोषसिद्ध पाकर 20 वर्ष की कैद व 2 लाख रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक -एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता कुंवर वीर प्रताप सिंह ने बहस की।

सीएमओ ने लाभार्थी और आशा कार्यकर्ता को किया सम्मानित

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना-0.2 का काम शुरू, एएनएम व आशा कार्यकर्ताओं को दी गयी लॉगिन आईडी

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई)-2.0 की जनपद की प्रथम लाभार्थी महिला सेक्टर आठ हरौला निवासी ज्योति कुमारी का सोमवार को फार्म भरा गया। योजना के अंतर्गत पहला फार्म भरे जाने पर क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता रानी व लाभार्थी ज्योति कुमारी को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील कुमार शर्मा ने किट (सैनिटाइजर, हैंडवाश व मास्क) देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के नोडल अधिकारी एसीएमओ डा. भारत भूषण, योजना के डिविजनल (मेरठ) प्रोग्राम मैनेजर अरविन्द गोस्वामी, जिला कार्यक्रम मैनेजर मंजीत कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक पारस गुप्ता, जिला कार्यक्रम सहायक अदिति सहित सीएमओ कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

योजना के नोडल अधिकारी डा. भारत भूषण ने बताया- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना -2.0 का नया पोर्टल शुरू किया गया है। पहले लागू प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में कई संशोधन किये गये हैं। नये नियमों के तहत अब तीन किस्तों में मिलने वाले पांच हजार रूपये दो किस्तों में मिलेंगे। इसके अलावा योजना का लाभ पाने के लिए पिता के आधार कार्ड की अनिवार्यता खत्म कर दी गयी है। पीएमएमवीवाई 2.0 अब पूरी तरह से डिजिटल कर दी गयी है। अब दूसरा बच्चा होने पर भी योजना का लाभ मिलेगा। लाभार्थियों को सिटीजन लॉगिन की सुविधा भी दी गयी है। उन्होंने बताया- योजना का लाभ लेने के लिए समय सीमा में भी बदलाव किया गया है। अब बच्चा पैदा होने के 270 दिन तक लाभार्थी पंजीकरण कर सकेंगे।

आशा-एएनएम सीधे पोर्टल पर भर सकेंगी फार्म योजना के कार्यक्रम समन्वयक पारस गुप्ता ने बताया- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में बदलाव कर पीएमएमवीवाई-2.0 लागू की गयी है। अब इस योजना को पूरी तरह डिजिटल कर दिया गया है। इसमें फार्म (कागजात) भरने की जरूरत नहीं है, आशा कार्यकर्ता और एएनएम पोर्टल पर सीधे लाभार्थी का ब्योरा भर सकेंगी। इसके अलावा लाभार्थियों को पोर्टल पर सिटीजन लॉगिन की सुविधा भी दी गयी। अब वह सीधे योजना के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया- प्रदेश मुख्यालय से प्राप्त लॉगिन आईडी एएनएम व आशा कार्यकर्ताओं को दे दी गयी है। जल्दी ही इस संबंध में उनको प्रशिक्षित किया जाएगा, हालांकि अनौपचारिक रूप से उन्हें सभी जानकारी दे दी गयी है।

पिता के आधार कार्ड की अनिवार्यता समाप्त योजना के जिला

कार्यक्रम समन्वयक पारस गुप्ता ने बताया -योजना में पहले पिता का आधार कार्ड होना अनिवार्य था, अब यह अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। उन्होंने कहा इससे अब उन महिलाओं को भी लाभ मिल सकेगा जो तलाकशुदा और सिंगल मदर हैं। केवल मां के आधार कार्ड पर योजना का लाभ मिल सकेगा।

अब तीन नहीं दो किस्तों में मिलेगी योजना की धनराशि

पारस गुप्ता ने बताया- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में पहले लाभार्थी को तीन किस्तों में पांच हजार रुपये दिये जाते थे। पहले प्रथम किस्त के रूप में 1000 रुपये, दूसरी किस्त के रूप में (गर्भावस्था के छह माह बाद) 2000 रुपये और बच्चे के जन्म का पंजीकरण होने और बच्चे के प्रथम चक्र का टीकाकरण पूरा होने पर तीसरी किस्त के रूप में 2000 रुपये दिए जाते थे। अब यह धनराशि दो किस्तों में मिलेगी। प्रथम किस्त (तीन हजार रुपये) प्रसव पूर्व कम से कम एक जांच होने पर और दूसरी किस्त (दो हजार रुपये) बच्चे के जन्म का पंजीकरण होने, बच्चे के प्रथम चक्र का टीकाकरण पूरा होने पर मिलेगी। बच्चे का जन्म होने के 270 बाद तक योजना का लाभ लिया जा सकेगा।

दूसरा बच्चा लड़की होने पर मिलेंगे औसतन छह हजार रुपये

जिला कार्यक्रम समन्वयक ने बताया- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना 2.0 में अब दूसरा बच्चा होने पर भी योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया- दूसरा बच्चा होने पर पहली किस्त (तीन हजार रुपये) तो मिलेगी। दूसरा बच्चा बालिका होने पर योजना के तहत औसतन छह हजार रुपये मिलेंगे। यह राशि बालिकाओं के प्रति सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए है।

पंजाबी विकास मंच ने श्रद्धापूर्वक मनाई गुरू अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस

नोएडा। हिंदू धर्म में 24 एकादशियों का बहुत महत्व है। ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी कहते हैं। इसकी कथा में हिंदू धर्म की बहुत बड़ी विशेषता है कि वह सबको धारण ही नहीं करता है, सबके योग्य नियमों की लचीली व्यवस्था भी करता है। महर्षि वेदव्यास ने पाडंवों को एकादशी व्रत का संकल्प कराया तो भीम ने कहा,"पितामह इसमें प्रति पक्ष एक दिन के उपवास की बात कही है। पर मैं तो एक समय भी भोजन के बगैर नहीं रह सकता। मेरे पेट में 'वृक' नाम की जो अग्नि है उसे शांत रखने के लिए मुझे कई लोगों के बराबर और कई बार भोजन करना पड़ता है। क्या अपनी उस भूख के कारण मैं एकादशी जैसे पुण्य व्रत से वंचित रह जाऊंगा?" यह सुनते ही महर्षि ने भीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा,"आप ज्येष्ठ मास की निर्जला नाम की एकादशी का व्रत करो। तुम्हें वर्ष भर की एकादशियों का फल मिलेगा।

डॉ. पवन गुप्ता 'तूफान' भारतीय रेल यात्री कल्याण समिति के सदस्य मनोनीत

आधुनिक समाचार सेवा

झाँसी। राष्ट्रीय स्तर पर रेल यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि एवं यात्रा के दौरान होने वाली समस्याओं के समाधान हेतु कार्य करने वाली देश की एकमात्र संस्था भारतीय रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं जेडआरयूसीसी उत्तर मध्य रेलवे, रेल मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य डॉ0 प्रदीप कुमार तिवारी ने भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकार , शिक्षा, साहित्य ,समाज सेवा व पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सैकड़ों सम्मान से सम्मानित गौरवशाली व्यक्तित्व, डॉ. पवन गुप्ता 'तूफान'की रेलसेवा के प्रति रुचि को देखते हुए समिति का विशिष्ट सदस्य मनोनीत किया है ।क्षेत्र वासियों एवं शुभचिंतकों ने श्री गुप्ता को बधाई देते हुए रेल यात्रियों के समस्याओं के समाधान तथा सुविधाओं में वृद्धि की अपेक्षा की है। डॉ. पवन गुप्ता 'तूफान' ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि वह क्षेत्र के रेल यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि हेतु हर सम्भव प्रयास करेंगे।

नेशनल हाईवे पर लूट का प्रयास करने वाले निगरानी बदमाश को देहात पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर। नेशनल हाईवे पर लूट का प्रयास करने वाले निगरानी बदमाश को देहात पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, के कुशल निर्देशन एवं लोकेश डाबर, SDOP मैहर के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी देहात के नेतृत्व में देहात पुलिस को मिली बड़ी सफलता मामले का संक्षिप्त यह है कि दिनांक 29/05/2023 को फरियादी राजकुमार बागरी पिता हीरालाल बागरी उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम सूजालपुर सीटी थाना सूजालपुर जिला शाजहापुर (म.प्र.) थाना उपस्थित आकर मौखिक रिपोर्ट लेख कराया की मै मिनी ट्रक क्र.MH40C्ष3815 का चालक हूँ कल दिनांक 28/05/2023 को कलेक्टर आफिस रीवा से चुनाव संबंधित सामान लेने भोपाल अपनी ट्रक क्र.श्प40ण्श3815 को लेकर जा रहा था आज दिनांक 29/05/2023 को समय करीबन 00.15 बजे रात्रि को जैसे ही हम लोग एन.एच.30 रोड मे जरियारी मोड के पास पहुचे तो एक स्लेटी कलर की एक कैम्पर क्र.MP19GA2460 लगा हुआ मेरी गाडी के सामने आकर खडा कर दिया व दो व्यक्ति कैम्पर से उतर कर मेरे ट्रक के पास आये व मुझे ट्रक से कालर पकड कर नीचे खीच लिये तथा एक आदमी के हाथ मे पट्टी बधी थी तथा शराब पीने के लिये 1000/रूपये मांगने लगे तब मेरे व्दारा पैसा देने से मना करने पर एक व्यक्ति जिसके हाथ मे पट्टी बधी थी बोला कि छोटू पटेल जो ट्रक मे और लोग भी बैठे है उनको उतारो उनसे पैसे लेते है तब छोटू पटेल नामक व्यक्ति ने मेरे साथी ट्रक मे बैठे मनीष लवंशी व अजय मालवी को भी ट्रक से कालर पकड कर नीचे उतार कर हाथ घुसा लात से मारपीट करते समय छोटू पटेल व राजकरण पटेल आपस मे एक दुसरे का नाम ले रहे थे।

तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुँचे थे भगवान महावीर

सदियों पहले महावीर जनमे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। महावीर जयन्ती मनाते हुए हम केवल महावीर को पूजे ही नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीने के लिये संकल्पित हों। भगवान महावीर की मूल शिक्षा है- अहिंसा। सबसे पहले अहिंसा परमो धर्मः का प्रयोग हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ महाभारत के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपनी वाणी स

और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। आत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत् इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात् पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

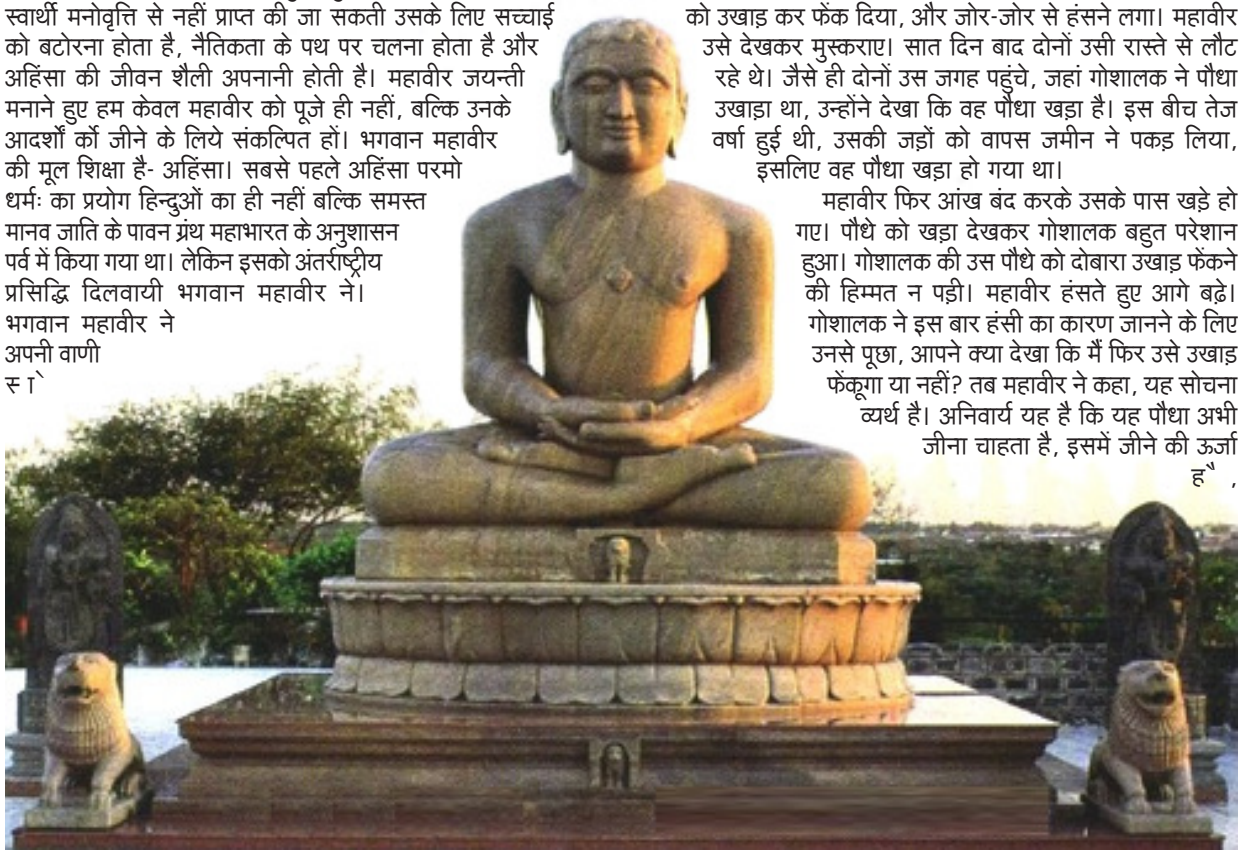

एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक घने जंगल में विचरण कर रहे थे। जैसे ही दोनों एक पौधे के पास से गुजर रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा, यह पौधा देखिए, क्या सोचते हैं आप, इसमें फूल लगेंगे या नहीं लगेंगे? महावीर आंख बंद करके उस पौधे के पास खड़े हो गए, और कुछ देर बाद आंखें खोलते हुए उन्होंने कहा, फूल लगेंगे।

गोशालक ने महावीर का कहा सत्य न हो, इसलिये तत्काल पौधे को उखाड़ कर फेंक दिया, और जोर-जोर से हंसने लगा। महावीर उसे देखकर मुस्कराए। सात दिन बाद दोनों उसी रास्ते से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उखाड़ा था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है। इस बीच तेज वर्षा हुई थी, उसकी जड़ों को वापस जमीन ने पकड़ लिया, इसलिए वह पौधा खड़ा हो गया था।

महावीर फिर आंख बंद करके उसके पास खड़े हो गए। पौधे को खड़ा देखकर गोशालक बहुत परेशान हुआ। गोशालक की उस पौधे को दोबारा उखाड़ फेंकने की हिम्मत न पड़ी। महावीर हंसते हुए आगे बढ़े। गोशालक ने इस बार हंसी का कारण जानने के लिए उनसे पूछा, आपने क्या देखा कि मैं फिर उसे उखाड़ फेंकूगा या नहीं? तब महावीर ने कहा, यह सोचना व्यर्थ है। अनिवार्य यह है कि यह पौधा अभी जीना चाहता है, इसमें जीने की ऊर्जा है, और जिजीविषा है। तुम इसे दूबारा उखाड़ फेंक सकते हो या नहीं-यह तुम पर निर्भर है। लेकिन पौधा जीना चाहता है, यह महत्वपूर्ण है। तुम पौधे से कमजोर सिद्ध हुए और हार गए। और जीवन हमेशा ही जीतता है। जीवन में आने वाली मुश्किलों का सामना करने के लिए जरूरी है, आशावादी रहना।

महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। उनके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना थी।

आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है। जरूरी है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही व्यक्ति बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना रखता हो।

भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन तप और ध्यान की पराकाष्ठा है इसलिए वह स्वतः प्रेरणादायी है। उनके उपदेश जीवनस्पर्शी हैं जिनमें जीवन की समस्याओं का समाधान निहित है। वे चिन्मय दीपक हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को हरता है। वे सचमुच प्रकाश के तेजस्वी पुंज और सार्वभौम धर्म के प्रणेता हैं। वे इस सृष्टि के मानव-मन के दुःख-विमोचक हैं। पदार्थ के अभाव से उत्पन्न दुःख को सद्भाव से मिटाया जा सकता है, श्रम से मिटाया जा सकता है किंतु पदार्थ की आसक्ति से उत्पन्न दुख को कैसे मिटाया जाए? इसके लिए महावीर के दर्शन की अत्यंत उपादेयता है।

भगवान महावीर का संदेश- अहिंसा ही परम धर्म, अहिंसा ही परम ब्रह्म

भगवान महावीर का जन्म तकरीबन ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली के गणतंत्र राज्य क्षत्रिय कुण्डलपुर में हुआ था। महावीर को 'वीर', 'अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है। तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्होंने एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं रखा। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया।उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो है- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य। सभी जैन मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका को इन पंचशील गुणों का पालन करना अनिवार्य है। महावीर स्वामी ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया। यद्यपि उनकी धर्मयात्राओं का ठीक वर्णन कहीं नहीं मिलता तो भी उपलब्ध वर्णनों से यही विदित होता है कि उनका प्रभाव विशेष रूप से क्षत्रियों और व्यवसायी वर्ग पर पड़ा, जिनमें शूद्र भी बहुत बड़ी संख्या में सम्मिलित थे।महावीर अहिंसा के दृढ़ उपासक थे, इसलिए किसी भी दिशा में विरोधी को क्षति पहुंचाने की वे कल्पना भी नहीं करते थे। वे किसी के प्रति कठोर वचन भी नहीं बोलते थे और जो उनका विरोध करता, उसको भी नम्रता और मधुरता से ही समझाते थे। इससे परिचय हो जाने के बाद लोग उनकी महत्ता समझ जाते थे और उनके आंतरिक सद्भावना के प्रभाव से उनके भक्त बन जाते थे।महावीर स्वयं क्षत्रिय और राजवंश के थे, इसलिए उनका प्रभाव कितने ही क्षत्रिय नरेशों पर विशेष रूप से पड़ा। जैन ग्रंथों के अनुसार राजगृह का राजा बिंबिसार महावीर का अनुयायी था। वहां पर इसका नाम श्रेणिक बताया गया है और महावीर स्वामी के अधिकांश उपदेश श्रेणिक के प्रश्नों के उत्तर के रूप में ही प्रकट किये गये हैं। आगे चलकर इतिहास प्रसिद्ध महाराज चंद्रगुप्त मौर्य भी जैन धर्म के अनुयायी बन गये थे और उन्होंने दक्षिण भारत में आकर जैन मुनियों का तपस्वी जीवन व्यतीत किया था। उड़ीसा का राजा खाखेल तथा दक्षिण के कई राजा जैन थे। इसके फलस्वरूप जनता में महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अच्छा प्रचार हो गया और उनके द्वारा प्रचारित धर्म कुछ शताब्दियों के लिए भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। आगे चलकर अनेक जैनाचार्यों नें जैन और हिंदू धर्म के समन्वय की भावना को भी बल दिया, जिसके फल से सिद्धांत रूप से अंतर रहने पर भी व्यवहार रूप में इन दोनों धर्मों में ब्हुत कुछ एकता हो गई और जैन एक संप्रदाय के रूप में ही हिंदुओं में मिल जुल गये।महावीर स्वामी का सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा का है, जिनके समस्त दर्शन, चरित्र, आचार-विचार का आधार एक इसी अहिंसा सिद्धांत पर है। वैसे उन्होंने अपने अनुयायी प्रत्येक साधु और गृहस्थ के लिए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक बताया है, पर इन सबमें अहिंसा की भावना सम्मिलित है। इसलिए जैन विद्वानों का प्रमुख उपदेश यही होता है- 'अहिंसा ही परम धर्म है। अहिंसा ही परम ब्रह्म है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है। यही मानव का सच्चा कर्म है। अहिंसा जैनाचार का तो प्राण ही है।''जैनियों के आचार-विचार, अहिंसा के विषय में चाहे जैसे रूढ़िवादी बन गये हों, पर इसमें संदेह नहीं कि महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती। यद्यपि अहिंसा का प्रतिपादन सभी धर्मोपदेशकों ने अपने-अपने ढंग से किया है, पर जिस प्रकार महावीर और बुद्ध ने अहिंसा पर सबसे अधिक बल देकर उसी को अपने धर्म का मूलमंत्र बनाया, ऐसा किसी अन्य धर्म संस्था ने नहीं किया।

---

8 घंटे सोकर घटा सकते हैं बाहर निकला पेट

क्या आप भी फ्लैट टमी पाने का सपना देखती हैं? पेट पर जमा चर्बी को बिना ज्यादा मेहनत किए घटाने के बारे में सोच रही हैं तो यह खबर आपके लिए है। इन आसान टिप्स को अपनी डेली रूटीन में शामिल करें और बेली फैट यानी पेट की चर्बी से जल्द से जल्द छुटकारा पाएं...

डायट में फाइबर को शामिल करें : जब बात खाने को पचाने की आती है तो उसमें सबसे अहम पोषक तत्व है फाइबर। सॉल्यूबल यानी घुलनशील फाइबर का सेवन करने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है क्योंकि सॉल्यूबल फाइबर आंत की चर्बी को घटाकर डाइजेशन को बेहतर बनाता है। साथ ही फाइबर का सेवन पेट की चर्बी को कम करने में भी असरदार है। फल या ओटस जैसे अनाज फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत हैं जिन्हें अपनी डायट में शामिल कर आप बाहर निकले पेट से छुटकारा पा सकती हैं।

योग से करें दोस्ती : इसमें कोई शक नहीं की योग आपके शरीर के लिए सबसे बेस्ट है। योग में मौजूद अलग-अलग तरह के आसन और श्वास संबंधी व्यायाम आंतरिक अंगों को फिर से तरोताजा कर शरीर के मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। योग आपको अंदर से स्वस्थ बनाता है। साथ ही स्ट्रेस हॉर्मोन कॉर्टिसोल को भी कम करता है जो पेट की चर्बी से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अगर आप भी फ्लैट टमी पाना चाहती हैं तो हर दिन 10-30 मिनट योग को अपने रूटीन में जरूर शामिल करें।

चैन की नींद लें : कम से कम 8 घंटे की नींद हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन हम से कितने लोग इसका सही तरीके से पालन करते हैं? लैपटॉप पर देर रात तक फिल्म देखने, चैटिंग करने या गेम खेलने की वजह से ज्यादातर लोग देर से सोते हैं और सुबह जल्दी उठ जाते हैं। कम सोने की वजह से हमारे शरीर में फैट का लेवल उत्प्रेरित हो जाता है। इससे बचने के लिए हर रात कम से कम 8 घंटे की चैन की नींद लें। आप देखेंगे कि आप सुबह फ्रेश फील करेंगे जिसका आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बेहतर असर पड़ेगा। **एक कप ग्रीन टी पिएं** : आपने भी ग्रीन टी पीकर बेली फैट घटाने के विज्ञापन कई बार देखें होंगे। क्या आपको लगता है कि उनके ये दावे निरर्थक हैं? जी नहीं... ग्रीन टी में कैटचिन नाम का ऐंटीऑक्सिडेंट पाया जाता है जिसका सेवन करने पर पेट की चर्बी घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। **लाइफस्टाइल को ऐक्टिव रखें** : अगर आप पेट की चर्बी घटाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आपको हर वक्त ऐक्टिव रहना चाहिए। ऐसे में लिफ्ट या एस्कलेटर की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। स्विमिंग और बाइकिंग जैसी ऐक्टिविटीज़ में शामिल होने के साथ ही हर सुबह 30 मिनट के लिए जॉगिंग करें। इन ऐक्टिविटीज़ की मदद से आप शरीर के ऐक्सट्रा कैलरी को घटाकर बेली फैट को कम कर सकती हैं।

असफलताओं से सबक लीजिए

हमारे जीवन का प्रत्येक प्रयास सफलता के लिए होता है। सफलता जिसके मायने हर किसी के लिए अलग हो सकते हैं। हर एक का सफलता पाने का तरीका भी अलग हो सकता है, पर चाहे तरीका कुछ भी हो अगर आपको सफलता नहीं मिल रही तो आपको ये पांच नियम अपने जीवन में जरूर अपनाने चाहिए।

जीवन संभावनाओं से भरा है आपको जीवन में संभावनाओं को कभी भी नहीं नकारना चाहिए। हो सकता है कल तक आपको जिस काम को करने में दिक्कत आती थी आज वह उतना मुश्किल न लगे आप उसे आसानी से कर सको। ऐसे ही बहुत सारी बातें , हालात , चीजें या लोग हमें पसंद नहीं होते और यह हमारी कामयाबी की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन जाती है। कामयाब लोगों को अपने जीवन में अनेक किरदार निभाने पड़ते हैं। उनका व्यक्तित्व नरम लचीला होता है। हमें अपने दिमाग को खुला रखना चाहिए और तथ्यों को कसौटी पर परख कर ही फैसला लेना चाहिए। कल जो नुकसान था वो आज फायदा बन सकता है। बस जरूरत के भावनाओं को अलग करके सोचने की।जब आपने तय कर लिया कि आपको जीवन में क्या चाहिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हो जाना चाहिए। लक्ष्य पर ध्यान रखिए और विफलताओं को अहमियत मत दीजिए। कामयाब लोगों के जीवन में विफलता नाम की कोई चीज नहीं होती। अगर आप सौ बार नाकामयाब होते हैं, तो मान लीजिए आपको सौ नए सबक मिल गए और आप लक्ष्य को चुनने में दोबारा वो गलती नहीं करने वाले। जब आप लक्ष्य पर केंद्रित रहेंगे, तो आपका दिमाग भी हमेशा लक्ष्य के विषय में ही सोचेगा। हमारे जीवन का प्रत्येक प्रयास सफलता के लिए होता है। सफलता जिसके मायने हर किसी के लिए अलग हो सकते हैं। हर एक का सफलता पाने का तरीका भी अलग हो सकता है, पर चाहे तरीका कुछ भी हो अगर आपको सफलता नहीं मिल रही तो आपको ये पांच नियम अपने जीवन में जरूर अपनाने चाहिए। ये जीवन के हर क्षेत्र में कारगर सिद्ध होंगे। किस्मत को छोड़िए, तय कीजिए आपको क्या चाहिए - हमने अकसर लोगों को कहते सुना होगा कि जो किस्मत में होगा मिल कर ही रहेगा और ऐसा सोच कर अकसर लोग किसी चमत्कार के इंतजार में सारी जिंदगी निकाल देते हैं। चमत्कार अकसर नहीं होते और चमत्कार भी उन्हीं के जीवन में घटते हैं, जो अपने जीवन में क्या पाना है यह तय कर लेते है उन्हें क्या पाना है। तो सबसे पहले आपको अपने जीवन में क्या चाहिए यह तय करना चाहिए और उसे पाने के लिए पूरी लगन से कोशिश करते रहना चाहिए, जब तक आपको वह मिल न जाए और याद रखिए सब को सब कुछ नहीं मिल सकता अपने लिए आपको क्या चाहिए यह आपको पता होना जरूरी है। **लक्ष्य पर समर्पित रहिए** : जब आपने तय कर लिया कि आपको जीवन में क्या चाहिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हो जाना चाहिए। लक्ष्य पर ध्यान रखिए और विफलताओं को अहमियत मत दीजिए। कामयाब लोगों के जीवन में विफलता नाम की कोई चीज नहीं होती। अगर आप सौ बार नाकामयाब होते हैं, तो मान लीजिए आपको सौ नए सबक मिल गए और आप लक्ष्य को चुनने में दोबारा वो गल्ती नहीं करने वाले। जब आप लक्ष्य पर केंद्रित रहेंगे तो आपका दिमाग भी हमेशा लक्ष्य के विषय में ही सोचेगा। इससे आपकी ऊर्जा भी लक्ष्य की दिशा में प्रवाहित होने लगेगी। मान लीजिए आपको नदी के उस पार जाना है बीच में तूफान आ जाता है, तो अगर आपकी नजर लक्ष्य से भटक जाती है, तो आप भी भटक सकते हैं, पर अगर आपकी नजर लक्ष्य पर केंद्रित है तो पानी का तेज बहाव भी आपको रोक नहीं पाएगा। कारण आपकी एकाग्रता है, क्योंकि आपका ध्यान तूफान पर नहीं लक्ष्य पर था।**संभावनाओं को न नकारें** : जीवन संभावनाओं से भरा है आपको जीवन में संभावनाओं को कभी भी नहीं नकारना चाहिए। हो सकता है कल तक आपको जिस काम को करने में दिक्कत आती थी आज वह उतना मुश्किल न लगे आप उसे आसानी से कर सको। ऐसे ही बहुत सारी बातें , हालात , चीजें या लोग हमें पसंद नहीं होते और यह हमारी कामयाबी की राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन जाती है। कामयाब लोगों को अपने जीवन में अनेक किरदार निभाने पड़ते हैं। उनका व्यक्तित्व नरम लचीला होता है। हमें अपने दिमाग को खुला रखना चाहिए और तथ्यों को कसौटी पर परख कर ही फैसला लेना चाहिए। कल जो नुकसान था वो आज फायदा बन सकता है। बस जरूरत के भावनाओं को अलग करके सोचने की।

दसवीं के बाद उपयुक्त विषय का चयन जरूरी

अमूमन होता यही है कि दसवीं में जिन विषयों में सर्वाधिक मार्क्स मिले हैं उनका ही ग्यारहवी में स्ट्रीम के चयन का आधार बनाया जाता है। कुछ हद तक तो यह ठीक है, पर कई बार पसंदीदा विषयों में किन्हीं कारणों से कम अंक मिलते हैं। ऐसे में सावधानी बरतें कि कहीं गलत निर्णय नहीं हो जाए। अभिभावकों को अपनी आकांक्षाओं को असफलताओं और अपेक्षाओं को बच्चों पर इस मामले में थोपने का प्रयास नहीं करना चाहिए। बच्चों की बातों, इच्छाओं, व्यक्तित्व के रुझान, दिलचस्पियों और लक्ष्य को अत्यन्त धैर्यपूर्वक समझने का प्रयास करें। अपने पक्ष को उनके समक्ष तर्कपूर्ण ढंग से रखें और भरसक प्रयास करें कि फैसला

उनकी सहमति से हो। अंतिम बात यह कि जिस विषय में भी बच्चा बेहतरीन प्रदर्शन करेगा, उसी क्षेत्र में वह आकर्षक कॅरियर बना सकता है। दसवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम आ चुके हैं। गत वर्षों की तरह ही इस वर्ष भी सीबीएसई बोर्ड्स में 16 लाख से अधिक छात्रों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इसके अलावा अन्य राज्यों के बोर्ड के माध्यम से भी लाखों की संख्या में युवाओं ने दसवीं की परीक्षा दी। नतीजों के आधार पर एक बार फिर ग्यारहवीं में दाखिले की आपाधापी शुरू हो जाएगी। साइंस, कॉमर्स अथवा आटर्स में से किस स्ट्रीम में दाखिला लेना उपयुक्त होगा, यह सवाल काफी महत्वूपर्ण ही नहीं, अत्यन्त उलझन भरा भी होता है। छात्रों से लेकर उनके अभिभावक तक इस बात को लेकर खासे तनाव में रहते हैं। इस सच्चाई से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है कि यह एक तरह से कैरियर का चौराहा है जहां से कई रास्ते जाते हैं। इस समय सही मार्ग का चुनाव करने में चूक होने का मतलब है जीवन की दशा और दिशा में हमेशा के लिए परेशानियों और तनाव की शुरूआत। इसलिए अत्यन्त सोच-विचार कर और ईमानदारी से अपनी क्षमताओं तथा कमजोरियों को स्वीकारते हुए फैसला करना चाहिए। यहां पर दिखावा या झूठी शान दिखाने के चक्कर में असलियत को छिपाना भारी पड़ सकता है। **एप्टीट्यूड** : स्ट्रीम से संबंधित अंतिम निर्णय लेने में पहले यह जानना और समझना अत्यन्त जरूरी है कि छात्र-छात्राओं की रुचि या दिलचस्पी किन विषयों में है। अगर मैथ्स में मन नहीं लगता है तो कोई कारण नहीं है कि जबरदस्ती उसे मैथ्स सहित साइंस स्ट्रीम दिलवाई जाए। अगर उसे साइंस लेनी ही है तो उसके लिए बायोलॉजी सहित साइंस का ऑप्शन हो सकता है। कमोबेश यही स्थिति कला विषयों को पसंद नहीं करने वाले युवाओं पर भी लागू होती है जिन पर अभिभावक अपना निर्णय थोपने का प्रयास करते हैं। अगर छात्र चाहते हैं तो उन्हें कॉमर्स लेने दीजिए। **परीक्षा परिणाम** : अमूमन होता यही है कि दसवीं में जिन विषयों में सर्वाधिक मार्क्स मिले हैं उनका ही ग्यारहवी में स्ट्रीम के चयन का आधार बनाया जाता है। कुछ हद तक तो यह ठीक है, पर कई बार पसंदीदा विषयों में किन्हीं कारणों से कम अंक मिलते हैं। ऐसे में सावधानी बरतें कि कहीं गलत निर्णय नहीं हो जाए। **टीचर्स की राय** : स्कूल में जिन टीचर्स ने पढ़ाया है, उनसे इस बार में सलाह-मशविरा करना गलत नहीं होगा। टीचर्स का अधिकांश छात्रों की क्षमताओं की भली प्रकार से जानकारी होती है। वे बड़ी बेबाकी से छात्रों की कमजोरियों और उनके सकारात्मक पहलुओं से न सिर्फ अवगत करवा सकते हैं बल्कि स्ट्रीम के चयन में भी महत्वपूर्ण सलाह दे सकते हैं। **कॅरियर लक्ष्य** : अगर मैथ्स और फिजिक्स जैसे सब्जेक्टस में गत तीन-चार वर्षों से बहुत अच्छे अंक आ रहे हैं तो इंजीनियरिंग के लक्ष्य को लेकर साइंस स्ट्रीम का चयन इस स्तर पर किया जा सकता है। यदि इन विषयों में औसत दर्जे के अंक ही अब तक रहे हैं तो अपेक्षाकृत आसान विषयों का चयन करना सही निर्णय होगा। **सामाजिक दबाव से बचें** : महज दोस्तों की देखादेखी या सामाजिक दबाव मे आकर किसी भी स्ट्रीम का चयन करना ठीक नहीं होगा। हमेशा सच्चाई से अपनी काबिलियत को स्वीकारें। निर्णय करते समय स्वयं से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें रखना शायद सही रणनीति नहीं होगी। याद रखें कि बाद में इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। **जॉब मार्केट की कसौटी ही पर्याप्त नहीं** : यह सही है कि आजकल की शिक्षा का लक्ष्य अच्छी जॉब पाने तक सीमित हो गया है, पर महज इसी आधार पर ग्यारहवीं की स्ट्रीम का चयन करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं होगा। हो सकता है कि वर्तमान समय में किसी विशेष कोर्स या सब्जेक्ट की जॉब मार्केट में मांग हो, पर जब आप 5-7 वर्षों के बाद जॉब मार्केट में पहुंचेंगे तो पूरी सम्भावना है कि स्थितियां बदल चुकी हों। **इंटरनेट से समस्त जानकारियां लें** : ट्रेडिशनल कोर्सेस और सब्जेक्टस के अलावा और क्या नई विधाएं इस दौरान विकसित हो चुकी हैं, इस बारे में स्वयं को अपडेट करने का सबसे प्रभावी तरीका इंटरनेट है। इससे जानकारियां लेकर संबंधित क्षेत्र के प्रोफेशनल्स से वास्तविकता का पता लगाया जा सकता है। **कॅरियर काउंसलर की सलाह** : किसी प्रोफेशनल कॅरियर काउंसलर से भी इस बारे में विचार विमर्श किया जा सकता है। वे अपने अनुभव और तरीके से छात्र के एटीट्यूड और सोच को अभिभावकों की तुलना में कहीं बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। यही नहीं उनके माध्यम से नए कोर्सेस और भावी स्ट्रीम्स के बारे में व्यापक जानकारी भी मिल सकती है। **गुरुमंत्र** : अभिभावकों को अपनी आकांक्षाओं को असफलताओं और अपेक्षाओं को बच्चों पर इस मामले में थोपने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

थाईलैंड को 17-0 से हराकर भारत जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल में

सलालाह। गत चैम्पियन भारत ने पूल ए के अपने आखिरी मैच में थाईलैंड को 17-0 से करारी शिकस्त देकर पुरुष जूनियर एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने अपने ग्रुप में चीनी ताइपे, जापान और थाईलैंड को हराया जबकि पाकिस्तान के खिलाफ उसने मैच 1-1 से ड्रॉ खेला। भारत सेमीफाइनल में किससे भिड़ेगा इसका पता पूल बी में मलेशिया और ओमानतथा पूल ए में पाकिस्तान और जापान के बीच होने वाले मैच से पता चलेगा। पाकिस्तान को पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए अपने अंतिम लीग मैच में जापान को 14 गोल से अधिक के अंतर से हराना होगा। थाईलैंड के खिलाफ भारतीय टीम शुरू से हावी हो गई। उसकी तरफ से अंगद बीर सिंह ने चार गोल ((13वें, 33वें, 47वें और 55वें मिनट) किए। रविवार की रात को खेले गए मैच में अंगद के अलावा भारत की तरफ से योगम्बर रावत (17वें), कप्तान उत्तम सिंह (24वें, 31वें), अमनदीप लाकड़ा (26वें, 29वें), अरिजीत सिंह हुंदल (36वें), विष्णुकांत सिंह (38वें), बॉबी सिंह धामी (45वें), शारदा नंद तिवारी (46वें), अमनदीप (47वें), रोहित (49वें), सुनीत लाकड़ा (54वें) और राजिंदर सिंह (56वें) ने भी गोल किए। भारत अंतिम क्वार्टर शुरू होने से पहले 10-0 से आगे था। थाईलैंड की टीम तब तक पस्त हो चुकी थी और भारत ने अपने आक्रामक रवैए में किसी तरह से ढिलाई न दिखाकर हूटर बजने से पहले तक गोल वर्षा जारी रखी।

फ्रांस अंडर-20 विश्व कप से बाहर, इंग्लैंड अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहा

ब्यूनस आयर्स। फ्रांस ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में होंडुरास पर 3-1 से जीत दर्ज करने के बावजूद अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता से बाहर हो गया। फ्रांस ग्रुप एफ में अपने पहले दोनों मैच हार गया था जिसके कारण वह नॉकआउट चरण में जगह नहीं बना पाया। इस ग्रुप से गांबिया और दक्षिण कोरिया आगे बढ़ने में सफल रहे। फ्रांस को तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीमों में जगह बनाने के लिए एक और गोल की दरकार थी। इससे वह बेहतर गोल अंतर के कारण अंतिम 16 में पहुंच जाता और ट्यूनीशिया बाहर हो जाता। ग्रुप एफ में गांबिया और दक्षिण कोरिया के बीच खेला गया मैच गोल रहित छूटा। अफ्रीकी टीम गांबिया अगले दौर में उरूग्वे का सामना करेगी जबकि एशियाई टीम दक्षिण कोरिया का सामना इक्वाडोर से होगा। फ्रांस के लचर प्रदर्शन के कारण ट्यूनीशिया अगले दौर में जगह बनाने में सफल रहा जहां उसका सामना ब्राजील से होगा। इंग्लैंड अंतिम 16 में बुधवार को इटली का सामना करेगा।

किलियन एम्बाप्पे ने रचा इतिहास लगातार चौथी बार जीता ये बड़ा अवॉर्ड

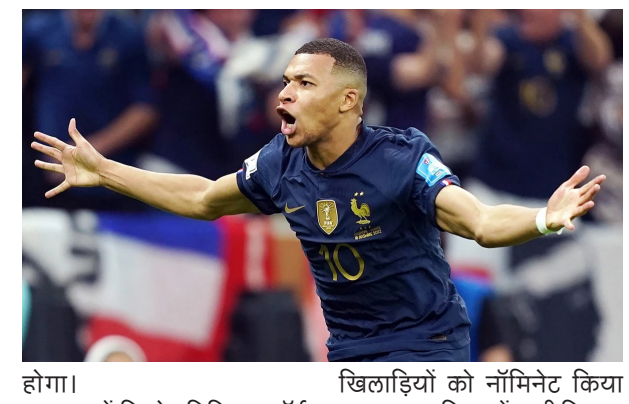

पेरिस। सेंट जर्मेन के काइलियन एम्बाप्पे ने खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। किलियन एम्बाप्पे ने लगातार चौथे साल लीग 1 में प्लेयर ऑफ द ईयर के खिताब पर कब्जा किया है। इस खिताब को हासिल करते ही किलियन एम्बाप्पे ने एक रिकॉर्ड भी कायम कर लिया है।

1 प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब लगातार चार बार जीतने वाले किलियन एम्बाप्पे पहले खिलाड़ी बन गए है। किलियन एम्बाप्पे को 2019, 2021 और 2022 के बाद अब 2023 में भी ये खिताब मिला है। लगातार चार सीजन में ये खिताब जीतने वाले वो पहले प्लेयर है। इस खिताब को हासिल कर रिकॉर्ड बनाने के बाद किलियन एम्बाप्पे ने कहा कि मैं हमेशा जीतना चाहता था। इसे जीतना खुशी की बात है। लीग के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना हमेशा से मेरी चाहत थी। हालांकि ये उम्मीद नहीं थी कि ये इतनी जल्दी हासिल होगा।

बता दें कि ये प्रतिष्ठित अवॉर्ड बीते सात बार से लगातार पेरिस सेंट जर्मन के खिलाड़ियों को ही मिल रहा है। किलियन एम्बाप्पे से पहले ये खिताब ज्लाटन इब्राहिमोविक (2016), एडिन्सन कैवानी (2017), नेमार जूनियर (2018) को मिल चुका है। यानी साफ है कि इन सभी खिलाड़ियों के नक्शे कदम पर ही किलियन एम्बाप्पे भी चल रहे है। किलियन एम्बाप्पे ने धमाकेदार प्रदर्शन किया था। वर्ष 2023 में इस अवॉर्ड के लिए पीएसजी के चार खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया गया था जिसमें कीलियन एम्बाप्पे, अचरफ हकीमी, लियोनेल मेस्सी और नूनो मेंडेस का नाम शामिल था। इन सभी को लीग 1 टीम ऑफ द ईयर में नोमिनेशन मिला था।

बता दें कि इस बार अर्जेंटीना को विश्व कप जिताने वाले लियोनेल मेसी को भी पहली बार सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन में नॉमिनेशन मिला था। बता दें कि इस बार नूनो मेंडेस ने लगातार दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ लेफ्ट बैक का खिताब अपने नाम किया है।

मांसपेशियों में खिंचाव के कारण एफबीके खेलों से हटे नीरज चोपड़ा

नयी दिल्ली। गत ओलंपिक भाला फेंक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने सोमवार को कहा कि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है और एहतियाती तौर पर वह अगले महीने होने वाले एफबीके खेलों से हट रहे हैं। दुनिया के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी चोपड़ा ने ट्विटर पर

लिखा, ''हाल में ट्रेनिंग के दौरान मेरी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। चिकित्सा आकलन के बाद मैंने और मेरी टीम ने ऐसे किसी भी जोखिम से बचने का फैसला किया जिससे चोट बढ़ जाए।'' उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से इसका मतलब है कि मुझे हेंगेलो (नीदरलैंड) में होने वाले एफबीके खेलों से हटना होगा।'' विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की गोल्ड स्तर की प्रतियोगिता फैनी ब्लेंकर्स कोएन खेल नीदरलैंड के हेंगेलो में चार जून को होने हैं। पांच मई को दोहा डाइमंड लीग में 88.67 मीटर की दूरी के साथ खिताब जीतकर सत्र की शानदार शुरुआत करने वाले 25 साल के चोपड़ा के 13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में होने वाले पावो नुर्मी खेलों के साथ वापसी करने की उम्मीद है। नीरज ने कहा, ''चोटें सफर का हिस्सा हैं लेकिन यह कभी आसान नहीं होता। मैं उबर रहा हूं और जून में ट्रैक पर वापसी को लक्ष्य बनाया है।

आईपीएल 2023 के फाइनल मुकाबले पर आज भी मंडरा रहा बारिश का साया

चैन्नई बनाम गुजरात में से सुपर ओवर के जरिए चुना जाएगा विजेता!!!

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में पहली बार तय तारीख पर टूर्नामेंट में फाइनल मुकाबला नहीं हो सका है। अब फाइनल मुकाबला रिजर्व्ड डे पर 29 मई को खेला जाएगा। 28 मई को अहमदाबाद में तेज बारिश होने के कारण फाइनल मुकाबले के लिए टॉस तक नहीं हुआ। वहीं संभावना है कि 29 मई को भी फाइनल मुकाबले में बारिश का साया मंडरा रहा है।

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स और हार्दिक पंड्या के नेतृत्व वाली गुजरात टाइटन्स बीच फाइनल मुकाबला खेला जाना है। वहीं अगर 29 मई को भी फाइनल मुकाबला नहीं खेला जाता है तो विजेता की घोषणा कर दी जाएगी। हालांकि माना जा रहा है कि फाइनल मुकाबले में बारिश के साये के कारण सुपर ओवर के जरिए विजेता का चुनाव हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो बीते दो वर्षों के अंतराल में ये पहला मौका होगा जब पहली बार सुपर ओवर के जरिए मैच का फैसला निकाला जाएगा। अंतिम बार 2021 में दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच सुपर ओवर के जरिए मैच का नतीजा निकला था जिसमें दिल्ली को जीत मिली थी।

बता दें कि ऐहतियात के तौर पर फाइनल मुकाबले के लिए रिजर्व्ड डे रखा गया था। आईपीएल के इतिहास में अब तक फाइनल मुकाबला कभी रिजर्व्ड डे तक के लिए आगे नहीं बढ़ाया गया है। आईपीएल के 16वें सीजन में ऐसा मौका पहली बार आया है। वहीं अगर रिजर्व डे पर भी बारिश आती है तो न्यूनतम 5 ओवर का खेल कराने की कोशिश की जाएगी। अगर बारिश के कारण 5-5 ओवर का खेल भी टीमें नहीं खेल सकेंगी तो चेन्नई और गुजरात के बीच सुपर ओवर खेला जाएगा और इसके आधार पर ही नतीजा निकाला जाएगा।

अगर बारिश के कारण मैच में एक भी गेंद नहीं फेंकी जाती है तो भी विजेता की घोषणा आज ही हो जाएगी। ऐसी स्थिति में चेन्नई सुपर किंग्स के फैन्स को काफी हताशा का सामना करना पड़ेगा क्योंकि कोई गेंद ना फेंके जाने की स्थिति में गुजरात टाइटंस को विजेता घोषित कर दिया जाएगा। दरअसल आईपीएल प्लेइंग कंडीशंस 16.11.2 के मुताबिक ग्रुप स्टेज में जो टीम पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर रहकर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करती है, मैच रद्द होने पर उसे ही फाइनल मुकाबले का विजेता घोषित किया जाता है। ऐसे में ये पक्का है कि अगर मैच नहीं हुआ तो लगातार दूसरी बार गुजरात टाइटंस टूर्नामेंट जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा करेगी।

अंबाती रायडू ने आईपीएल से संन्यास लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व वनडे विशेषज्ञ और चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने घोषणा की है कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल आईपीएल में उनका आखिरी मैच होगा। इंग्लैंड में 2019 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में नहीं चुने जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रायुडू ने कुछ साल

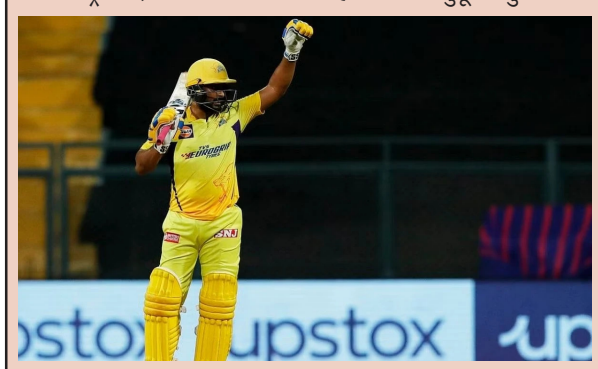

पहले घरेलू क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया था लेकिन बाद में फैसला वापिस ले लिया। 38 वर्ष के इस खिलाड़ी ने हालांकि रविवार को ट्वीट किया कि इस बार वह फैसला नहीं बदलेंगे। इस सत्र में उन्होंने 15 मैचों में 139 रन बनाये हैं। उन्होंने ट्वीट किया ," दो बेहतरीन टीमें मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स। 204 मैच, 14 सत्र, 11 प्लेआफ, आठ फाइनल और पांच खिताब। उम्मीद है कि आज रात को छठा भी। यह शानदार सफर रहा। मैंने तय किया है कि आज का फाइनल आईपीएल में मेरा आखिरी मैच होगा। इस शानदार टूर्नामेंट में खेलने का पूरा मजा आया। अब की बार वापसी नहीं।'' रायुडू ने 55 वनडे मैचों में 1694 रन बनाये। टी20 क्रिकेट में वह सीएसके का अभिन्न अंग रहे। फाइनल से पहले वह 203 आईपीएल मैचों में 4329 रन बना चुके हैं। उन्होंने 2018 सत्र में चेन्नई के लिये 602 रन बनाये।

दिग्गजों से तुलना पर बोले शुभमन गिल, सचिन विराट का योगदान अमर, मैं तो कुछ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उभरते युवा बल्लेबाज शुभमन गिल आईपीएल में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। लोग उनकी बैटिंग की तारीफ भी कर रहे हैं। इन सब के बीच शुभमन गिल ने दिग्गज सचिन तेंदुलकर और भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की तुलना पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। शुभमन गिल ने साफ तौर पर कहा है कि उनकी विरासत को परिभाषित नहीं किया जा सकता है। गिल के लिए यह साल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक शानदार वर्ष रहा है। उन्होंने खेल के सभी प्रारूपों में शतक बनाए हैं, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय दोहरा शतक भी शामिल है।

एएनआई से बात करते हुए गिल ने इन तुलनाओं को खारिज कर दिया। 23 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि तेंदुलकर, कोहली और रोहित शर्मा ने बहुत से लोगों को प्रेरित किया है और उनकी विरासत अमर है। गिल ने कहा कि खेल में उनकी विरासत को परिभाषित नहीं किया जा सकता। गिल ने कहा कि वास्तव में उस तरह से नहीं देखता क्योंकि सचिन सर, विराट भाई और रोहित शर्मा ने जिस पीढ़ी को प्रेरित किया है वह बहुत बड़ा है। अगर हमने 1983 का विश्व कप नहीं जीता होता, अगर सचिन तेंदुलकर नहीं होते... अगर हम 2011 का विश्व कप नहीं जीतते तो मैं उतना ही प्रेरित होता, शायद या शायद नहीं। युवा क्रिकेटर ने कहा कि इस तरह की विरासत, इस तरह की चीजें अमर हैं। आप वास्तव में उनकी विरासत को परिभाषित नहीं कर सकते। आईपीएल 2023 वह जीटी के लिए स्टार बल्लेबाज बने और उन्हें लगातार टीम को दूसरे फाइनल में पहुंचाया। उन्होंने जो 16 मैच खेले हैं, उनमें भारतीय बल्लेबाज ने 60.79 की औसत से 851 रन बनाए हैं। गिल ने इस सीजन में तीन शतक बनाए और ये तीनों ही पिछले चार मैचों में बनाए गए हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने पर बाद में ही बात की जा सकती हैः कैरी

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिये अपनी टीम की तैयारियों पर भरोसा है और उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण मैच से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने के फैसले के बारे में केवल बाद में ही बात की जा सकती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही सात जून से ओवल में शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया की टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद भी ब्रिटेन में ही रहेगी जहां उसे 16 जून से इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की एशेज श्रृंखला खेलनी है।

आईसीसी वेबसाइट के अनुसार कैरी ने कहा,''सभी खिलाड़ियों की हाल के दिनों में व्यक्तिगत प्रतिबद्धताएं थी। हमारे कुछ खिलाड़ी यहां इंग्लैंड में क्रिकेट खेल रहे थे। कुछ खिलाड़ी आईपीएल में व्यस्त थे तथा कुछ खिलाड़ी अपने परिवार के साथ समय बिता रहे थे।'' उन्होंने कहा,'' अब हम यहां एक साथ मिलकर टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर वास्तव में उत्साहित हैं तथा मुझे लगता है कि इस बारे में बाद में ही बात की जा सकती है कि हमें अभ्यास मैच खेलना चाहिए था या नहीं।'' कैरी ने कहा,'' एक खिलाड़ी के रूप में मुझे लगता है कि हम पहले मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं इसलिए मुझे लगता है अभ्यास मैच नहीं खेलना उन चीजों में से एक होगी जिन पर टेस्ट मैच के बाद बात की जाएगी।''

ऑस्ट्रेलिया हाल में भारत के खिलाफ श्रृंखला हार गया था लेकिन उसने इस बीच इंदौर में मैच जीता था और कैरी ने कहा कि टीम उससे प्रेरणा लेगी। उन्होंने कहा,'' हमने उस दौरे से काफी कुछ सीखा तथा पहले दो मैच गंवाने के बाद हमने इंदौर में जीत दर्ज की और फिर अंतिम टेस्ट मैच ड्रॉ कराया। इससे हमारे जज्बे का पता चलता है।'' कैरी ने कहा,''इसलिए हम बढ़े मनोबल के साथ मैदान पर उतरेंगे। हमें यह पता है कि इन परिस्थितियों में हम अच्छा प्रदर्शन करते हैं और केवल कुछ क्षेत्र ही ऐसे हैं जिनमें थोड़ा सुधार की जरूरत है।

'मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी लेकिन गोपी सर जोर देते रहे'

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने अपना अगला एकल खिताब जीतने की उम्मीद छोड़ ही दी थी लेकिन मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने उनके अंदर छह साल के खिताब के सूखे को खत्म करने का आत्मविश्वास डाला और उन्हें विश्वास दिलाया कि वह मजबूत खिलाड़ी हैं। प्रणय ने रविवार को यहां मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में चीन के वेंग होंग येंग को तीन गेम में हराकर खिताब के सूखे को खत्म किया। दुनिया के नौवें नंबर के और भारत के शीर्ष खिलाड़ी 30 वर्षीय प्रणय ने अपने पूर्व साथी आरएमवी गुरुसाई दत्त का भी शुक्रिया अदा किया जिन्होंने पिछले साल जून में संन्यास लेने के बाद कोचिंग की ओर रुख किया और जरूरत के समय उनकी मदद की।

आईपीएल फाइनल 2023ः रिजर्व-डे में पहली बार होगा फाइनल

अहमदाबाद। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच सोमवार, 29 मई को खेले जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के फाइनल में रिजर्व डे से पहले अच्छी खबर है। पहले मौसम पूर्वानुमान में पता चला था कि शाम चार बजे से छह बजे तक बारिश की 40-50 संभावना है। हालांकि, इसके बाद मौसम सामान्य हो सकता है। लेकिन अब इसमें बड़ा बदलाव हुआ है। यह बदलाव खेल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर लेकर आया है।

ताजा अपडेट के मुताबिक शाम 4 बजे से शाम 5 बजे तक बारिश होने की सात फीसदी संभावना है। शाम 6 बजे बारिश का प्रतिशत घटकर पांच हो जाता है। शाम 7 बजे से दिन खत्म होने तक फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं। तापमान 31 और 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। आर्द्रता 40 और 50 के आसपास होगी। खेल के दौरान 90 प्रतिशत से अधिक बादल छाए रहेंगे, लेकिन आसमान के शांत रहने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो आज आईपीएल का फाइनल

मुकाबला देखने को मिल सकता है। आईपीएल के इतिहास में अब तक फाइनल मुकाबला कभी रिजर्व्ड डे तक के लिए आगे नहीं बढ़ाया गया है। आईपीएल के 16वें सीजन में ऐसा मौका पहली बार आया है।

भारी बारिश के कारण चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच इंडियन प्रीमियर लीग 2023 का फाइनल रविवार को नहीं हो पाया था। यही कारण है कि इसे अब 'रिजर्व डे' सोमवार को खेला जायेगा। बारिश रूकने पर भी उसे सुखाने में एक घंटे से अधिक समय लगता। आईपीएल के नियमों के अनुसार अगर मैच कटआफ समय यानी 12 बजकर छह मिनट पर भी शुरू नहीं हो पाता तो फाइनल के लिये एक रिजर्व डे होता है। कटआफ समय के भीतर शुरू होने पर प्रति टीम पांच ओवर का मैच होता। सोमवार को बारिश की भविष्यवाणी नहीं है जिससे पूरे बीस ओवर का मैच होने की उम्मीद है।

हेजलवुड भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में

लंदन। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भारत के खिलाफ सात जून से ओवल में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। यह 32 वर्षीय गेंदबाज चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के बीच से ही स्वदेश लौट गया था। उन्हें हालांकि टेस्ट कप्तान पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड जैसे तेज गेंदबाजों के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। अब तक 59 टेस्ट मैचों में 222 विकेट लेने वाले हेजलवुड के चयन का मतलब है कि चयनकर्ताओं को ऑल राउंडर माइकल नेसर या तेज गेंदबाज सीन एबोट को टीम में

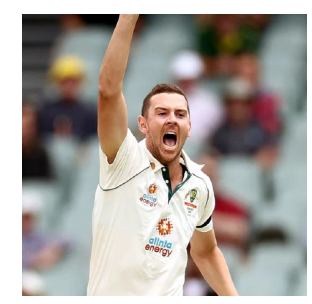

रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

नेसर और एबोट अभी काउंटी क्रिकेट में खेल रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने हाल में कहा था कि किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है। हेजलवुड हाल में चोटों से जूझते रहे हैं। वह आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम से बाद में जुड़े थे। उन्होंने दिसंबर 2021 के बाद केवल चार टेस्ट मैच खेले हैं। डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम इस प्रकार हैः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कैमरन ग्रीन, मार्कस हैरिस, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मारनस लाबुशेन, नाथन लियोन, टॉड मर्फी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, डेविड वार्नर।

सम्पादकीय

आपसी समझदारी बने

केंद्रीय मंत्रिमंडल में गुरुवार सुबह किए गए एक संक्षिप्त बदलाव के कारण किरेन रिजिजू को कानून मंत्री का अपना पद गंवाना पड़ा। उन्हें अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण माने जाने वाले भू-विज्ञान मंत्रालय में भेज दिया गया। उनकी जगह अर्जुन राम मेघवाल को राज्य मंत्री के रूप में कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। इस घटनाक्रम को कई वजहों से चौंकाने वाला माना जा रहा है। हाल के वर्षों में यह पहला मौका है, जब कानून मंत्री कैबिनेट रैंक के नहीं होंगे। किरेन रिजिजू सरकार के सबसे हाई प्रोफाइल मंत्रियों में गिने जाते थे। अचानक हुए इस बदलाव की कोई वजह नहीं बताई गई है, लेकिन जिस पृष्ठभूमि में ये बदलाव सामने आए हैं ,उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। कानून मंत्री के रूप में किरेन रिजिजू का कार्यकाल न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच असामान्य टकराव और तनाव के लिए याद रखा जाएगा। जजों की नियुक्ति और ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच मतभेद होना और कभी-कभी इनका गंभीर रूप ले लेना भी कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। ऐसा अतीत में होता रहा है, लेकिन ये मामले समझदारी से सुलझाए भी जाते रहे हैं। इस बार न केवल जजों की नियुक्ति से जुड़े मतभेद नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर इन दोनों संस्थानों के परस्पर विरोधी स्टैंड से जुड़ गए बल्कि कानून मंत्री के असामान्य रूप से कड़े बयानों के कारण स्थिति ज्यादा जटिल हो गई। मामले की जड़ में था कलीजियम सिस्टम जिसे केंद्र सरकार समाप्त करना चाहती थी। 2014 में सरकार नैशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट्स कमिशन एक्ट (एनजेएसी एक्ट) भी लाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बता कर निरस्त कर दिया था। उसके बाद से ही न्यायपालिका को ऐसा लग रहा था कि कलीजियम की ओर से भेजे जाने वाले नामों को स्वीकार करने में कार्यपालिका बेरुखी दिखा रही है। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि कलीजियम सिस्टम के जरिए जजों की जजों द्वारा नियुक्ति का चलन ठीक नहीं है और इसमें बदलाव किया जाना चाहिए। ये बातें अलग-अलग मौकों पर सार्वजनिक भी की जाती थीं, लेकिन रिजिजू के कार्यकाल में ये अप्रत्याशित रूप से बढ़ गईं। न केवल सुप्रीम कोर्ट ने कलीजियम की सिफारिशों पर अमल में देरी को गंभीर मसला बताते हुए कड़ी प्रशासनिक और न्यायिक कार्रवाई की चेतावनी दी बल्कि कानून मंत्री ने उस पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां तक कह दिया कि कोई किसी कोई को धमकी नहीं दे सकता। उन्होंने एक अलग मौके पर यह भी कहा कि देश संविधान से बाहर की कोई व्यवस्था सिर्फ इसलिए नहीं स्वीकार कर लेगा कि वह फैसला कुछ जजों द्वारा लिया गया है। उम्मीद की जाए कि ऐसे सख्त बयानों से न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच बना तनाव अब धीरे-धीरे कम होगा और ठंडे माहौल में गंभीरता के साथ उन मतभेदों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी जो दोनों संस्थानों के बीच उभर आए हैं।

वित्तीय समावेशन के जरिये मोदी ने भारत में गरीब वर्ग का कर दिया कायाकल्प

प्रह्लाद सबनानी

15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री जनधन योजना' की घोषणा की थी और बिना समय गंवाए 28 अगस्त 2014 से यह योजना पूरे देश में प्रारम्भ कर दी गई थी। केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय ने देश में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र की दशा एवं दिशा बदल दी थी। इस योजना का दूसरा संस्करण अधिक लाभों को जोड़ते हुए वर्ष 2018 में प्रारम्भ किया गया था। इस दूसरे संस्करण में प्रत्येक परिवार के स्थान पर प्रत्येक उस व्यक्ति को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने की घोषणा की गई थी जो बैंकिंग सुविधाओं से वंचित थे। इस पहल का नतीजा आज हम सभी के सामने है कि देश आर्थिक विकास के रास्ते पर इतना आगे बढ़ चुका है कि पूरी दुनिया भारत को वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर एक चमकता हुआ सितारा मान रही है। किसी भी देश का आर्थिक विकास उस देश के नागरिकों के वित्तीय सेवाओं से जुड़े होने पर भी निर्भर करता है। जितनी अधिक जनसंख्या वित्तीय सेवाओं से जुड़ी होगी, उस देश की आर्थिक स्थिति उतनी ही मजबूत होगी। लेकिन, आजादी के बाद से भारत में आबादी का एक बहुत बड़ा भाग और समाज का निम्न आय वर्ग बड़ी संख्या में वित्तीय सेवाओं से वंचित रहा है। जबकि गरीबी को कम करने में वित्तीय समावेशन एक प्रमुख प्रवर्तक माना जाता है। वर्ष 2014 में देश के करोड़ों नागरिकों के पास मोबाइल फोन तो था परंतु उनका बैंक में बचत खाता नहीं था। नागरिक बैंक में जाने से डरते थे। नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक ऐसी योजना की आवश्यकता थी जिससे सभी नागरिक इससे होने वाले लाभ अर्जित कर सकें एवं भारत के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। अतः नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जनधन योजना की शुरुआत की गई थी। इससे हाल के दिनों में सामान्य रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में एवं विशेष रूप से बैंकिंग सेवाओं में बहुत ही तेज गति से प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से आम नागरिकों के बैंकों में बचत खाते खोले गए, आवश्यकता आधारित ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की गई, धन के प्रेषण की सुविधा, बीमा तथा पेंशन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस योजना के अंतर्गत जमाराशि पर ब्याज मिलता है, हालांकि बचत खाते में कोई न्यूनतम राशि रखना आवश्यक नहीं है। एक लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा भी मिलता है। साथ ही, इस योजना के माध्यम से दो लाख रुपए का जीवन बीमा उस लाभार्थी को उसकी मृत्यु पर सामान्य शर्तों पर मिलता है। सरकारी योजनाओं के माध्यम से दिए जाने वाले लाभ के अंतरण की सुविधा भी इस योजना के अंतर्गत प्राप्त होती है। भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने देश के हर गरीब नागरिक को वित्तीय मुख्य धारा से जोड़ा है। समाज के अंतिम छोर पर बैठे गरीबतम व्यक्तियों को भी इस योजना का लाभ मिला है। आजादी के लगभग 70 वर्षों के बाद भी भारत के 50 प्रतिशत नागरिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ अर्थात बैंकों से नहीं जुड़े थे। इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2023 तक 48.65 करोड़ बचत खाते विभिन्न बैंकों में खोले जा चुके

हैं। साथ ही, इन खाताधारकों द्वारा 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि इन जमा खातों में जमा की गई है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खाताधारकों को प्रदान की जाने वाली अन्य सुविधाओं का लाभ भी भारी मात्रा में नागरिकों ने उठाया है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से 15.99 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 49 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का जीवन बीमा केवल 436 रुपए के वार्षिक प्रीमीयम पर उपलब्ध कराया जाता है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से 33.78 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 48 प्रतिशत महिला लाभार्थी हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा केवल 20 रुपए के वार्षिक प्रीमीयम पर उपलब्ध कराया जाता है। अटल पेंशन योजना से 5.20 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं। मुद्रा योजना के अंतर्गत 40.83 करोड़ नागरिकों को ऋण प्रदान किया गया है।

प्रधानमंत्री जनधन योजना अपने प्रारम्भिक समय से ही वित्तीय समावेशन के लिए एक क्रांतिकारी कदम मानी जा रही है। इस योजना के प्रारम्भ के बाद, एक सप्ताह के अंदर बैंक में खोले गए खातों की संख्या को उपलब्धि के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल किया गया था। बैंकों की मदद से शून्य बैलेन्स के साथ करोड़ों नागरिकों के बचत खाते विभिन्न बैंकों में खोले गए हैं। इन बचत खातों में से लगभग 67 प्रतिशत बचत खाते ग्रामीण एवं अर्धशहरी केंद्रों पर खोले गए हैं, जिसे मजबूत होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। भारत में बैंकिंग व्यवस्था को आसान बनाने के उद्देश्य से डिजिटल इंडिया को आगे बढ़ाने का कार्य भी सफलतापूर्वक किया गया है। इस योजना के अंतर्गत खोले गए बचत खाताधारकों को रूपे डेबिट कार्ड प्रदान किया गया है। यह रूपे कार्ड उपयोगकर्ता द्वारा समस्त एटीएम, पोस टर्मिनल एवं ई-कामर्स वेबसाइट पर लेनदेन करने की दृष्टि से उपयोग किया जा सकता है। वर्ष 2016 में 15.78 करोड़ बचत खाताधारकों को रूपे कार्ड प्रदान किया गया था एवं अप्रैल 2023 तक यह संख्या बढ़कर 33.5 करोड़ तक पहुंच गई है। वर्तमान में देश में बैंकिंग सेवाएं सुगम बनाने के उद्देश्य से 6.55 लाख बैंकिंग मित्र भी अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उक्त योजनाओं से जुड़े आंकड़े बताते हैं कि किस प्रकार बैंकिंग सेवाओं को नागरिकों के द्वार तक पहुंचा दिया गया है। वित्तीय समावेशन के लिए गांव से लेकर शहर तक गरीब से लेकर मध्यम आय के परिवार के कम से कम एक सदस्य को बैंकिंग सेवा से जोड़ने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था उसे बहुत हद तक पिछले 8 साल के दौरान प्राप्त कर लिया गया है। गरीबी कम करने के लिए वित्तीय समावेशन एक प्रमुख कारक के रूप में कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने के बाद से देश में गरीब वर्ग के बीच बैंकिंग सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। वित्तीय समावेशन आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन का प्रमुख चालक भी बन गया है। पिछले 8 वर्षों के दौरान बचत खातों की संख्या तीन गुना बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि देश का कोई भी व्यक्ति वित्तीय और बैंकिंग सेवाओं से वंचित ना रहे, इसी उद्देश्य से इस योजना को प्रारम्भ किया गया था। वित्तीय समावेशन से वित्तीय साक्षरता और उपभोक्ता संरक्षण बढ़ता है। साथ ही, वित्तीय समावेशन से देश में पूंजी निर्माण की दर में भी वृद्धि होती है।

वित्तीय समावेशन के माध्यम से देश के प्रत्येक परिवार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक को इस लायक बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह देश की आर्थिक प्रगति में अपने योगदान को सार्थक कर सके। परिवार के कुछ सदस्य नहीं बल्कि परिवार के समस्त सदस्य गरीबी रेखा से बाहर आ जाएं। देश का पूरा समाज एवं समस्त प्रदेश ही आर्थिक रूप से विकसित बन जाएं। देश के समस्त समाजों को बगैर किसी भेदभाव के आगे बढ़ाया जा रहा है। वित्तीय समावेशन ने आज देश के आर्थिक परिदृश्य को पूरे तौर पर बदल दिया है। यूपीआई के माध्यम से आज ऑनलाइन पैसे का तुरंत भुगतान सम्भव हो सका है एवं अब पैसे बैंक में जमा किए जाते हैं तो वह भी ब्याज के रूप में आय अर्जित करते हैं। पहले, यह रकम घर पर पड़ी रहती थी एवं अनुत्पादक आस्ति बनी रहती थी। आज वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में, दुनिया के कई देश, भारत को मिसाल के तौर पर देखने लगे हैं कि किस प्रकार 140 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश ने बैंकों से उन नागरिकों को भी जोड़ा है जो अब तक इन सुविधाओं से वंचित थे। जब तक समावेशी विकास नहीं होगा, तब तक देश का आर्थिक विकास भी गति नहीं पकड़ सकता है। पहले लोग जहां बैंकों में जाने से डरते थे, वहीं अब उन्हें बैंकिंग सुविधाएं बैंक मित्रों के माध्यम से घर बैठे ही पहुंचाई जा रही हैं। आज नागरिकों को बैंक जाने की आवश्यकता ही नहीं है, ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार आसानी से सम्पन्न किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर भारत में बैंकिंग क्षेत्र में अतुलनीय परिवर्तन आया है, जिससे देश में वित्तीय समावेशन भी बहुत आसान बन पड़ा है।

तालिबानी सोच रखने वालों पर पुष्पवर्षा पंजाब के हित में नहीं है

पटियाला में एक गुरुद्वारे के सरोवर के पास शराब पी रही महिला की क्रोधित श्रद्धालु ने गोली मार कर हत्या कर दी। महिला नशे की आदी और तनावग्रस्त थी। किसी पवित्र स्थल की मर्यादा भंग करना निस्संदेह एक अक्षम्य अपराध है परन्तु प्रश्न है कि दण्ड देने का अधिकार किसे हो? न्याय प्रणाली को या श्रद्धालु को? पर यहां श्रद्धालु ने विधि की मर्यादा का उल्लंघन कर दूसरा अपराध कर दिया। न्याय की दृष्टि से एक घटना से दो अपराधी जुड़ गए परन्तु यहां कसूरवारों का एक तीसरा वो वर्ग भी है जिसने हत्यारे श्रद्धालु पर पुष्पवर्षा की, उसे 'कौम दा हीरा' बनाने का काम किया। ये तीसरा वर्ग चाहे कानून के कठघरे में नहीं है परन्तु जब घटना की सामाजिक मिमांसा होगी तो यही लोग न्याय के मन्दिर में सबसे बड़े अपराधी के रूप में खड़े दिखाई देंगे जिन्होंने तालिबानीयत पर पुष्पवर्षा की। निर्ल्लज पुष्पवर्षा संकेत है कि तालिबानीयत तेजी से समाज के स्वस्थ हिस्से को संक्रमित कर रही है और इससे रुग्ण लोग अपने जैसे बीमार जहनों को नायक बना कर कट्टरपंथ के कोढ़ में खाज का काम कर रहे हैं। देखने में आया है कि जैसे पंजाब में कट्टरपंथ को सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक स्वीकृति मिलती जा रही है, इस तरह की घटनाओं के खिलाफ न तो कोई बोलता है और न ही बुद्धिजीवी और न ही सिविल सोसाइटी। केवल इतना ही नहीं पन्थ से जुड़े कई धर्म संस्थान तो आरोपियों की पीठ पर खड़े दिखाई देने लगते हैं। पिछले सप्ताह पटियाला में गुरुद्वारा श्री दुख निवारण साहिब में एक महिला की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है कि मारी गई महिला शराब पीने की आदि थी और वह तनाव में थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गुरुद्वारे के सेवादार ने युवती को मना किया तो उसने बोतल तोड़कर सेवादार की बाजू पर मार दी। इस दौरान भीड़ इकट्ठी हो गई। युवती को गुरुद्वारा प्रबंधक के कक्ष में ले जाया गया, जहां साथ खड़े एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकाली और चार गोलियां युवती पर चला दीं। आरोपी को जब न्यायालय में पेश किया गया तो संगत ने उसका दिल खोल कर स्वागत किया और उस पर नायकों की भांति फूलों की बरसात की गई। वैसे पंजाब में इस तरह की तालिबानी हत्या कोई नई नहीं है। वर्ष 2015 हुई बेअदबी मामले में अब तक सात डेरा सच्चा सौदा के श्रद्धालुओं की हत्या हो चुकी है। इस वर्ष फरवरी में फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या कर दी गई। इससे पहले 13 जून, 2016 को गुरदेव सिंह, 25 फरवरी 2017 को सतपाल शर्मा और उसके बेटे रमेश शर्मा की खन्ना के जगहेड़ा गांव में हत्या हुई थी। 23 जनवरी, 2019 को नाभा जेल में बंद मोहिंदर पाल बिट्टू की हत्या हुई। 20 जनवरी 2020 को मनोहर लाल की बठिंडा जिले के गांव भगताभाई में हत्या हुई। इसी तरह पिछले साल दिसंबर महीने में मुक्तसर जिले के भूंदड़ गांव में चरणदास की हत्या की गई। ज्ञातव्य है कि इनमें से कई आरोपियों पर छोटी-छोटी बात को लेकर गुरु ग्रन्थ साहिब की बेअदबी के केस दर्ज करवाए गए थे और बाद में विभिन्न कट्टरपंथियों ने इनकी हत्या कर दी।

पूरे देश ने देखा कि दिल्ली की सीमा पर चले कथित किसान आन्दोलन के दौरान निहंगों ने एक दलित युवक को बैरीकेड से लटका कर उसे वीडियो पर लाइव काट डाला। इसके बाद अमृतसर के स्वर्ण मंदिर और कपूरथला के एक गुरुद्वारे में तालिबानी श्रद्धालु मानसिकता ने बेअदबी के आरोपियों की निर्मम हत्या कर दी। इसी महीने ही रोपड़ जिले में बेअदबी के आरोपी की जेल के अस्पताल में ईलाज के दौरान मौत हो गई और इसे स्वाभाविक मौत बता कर मामला रफा-दफा कर दिया गया। तोड़फोड़ से भयभीत आरोपी का परिवार पहले ही गांव छोड़ चुका था। कहने का भाव यह कि पंजाब में मर्यादा के नाम पर खुल कर खूनी और खाक का खेल खेला जा रहा है और समाज इस पर मौन धारण कर इन हत्याओं में बराबर के भागीदार बन रहा है।

अपराध करना गलत है और अपराध के प्रतिक्रम में किए गए अपराध को भी उचित नहीं ठहराया जा सकता, परन्तु अपराध व अपराधियों का महिमामण्डन ऐसा घोर सामाजिक कुकर्म है जो भविष्य के अपराधी तैयार करता है। समाज की मानसिकता को बीमार करता है। दुर्भाग्य की बात है कि अपराध व अपराधियों के स्तुतिगान का दुष्परिणाम भुगतने वाला पंजाब अपने अतीत से कुछ नहीं सीख पा रहा है। जिस तरह आज कट्टरपंथ का महिमामण्डन हो रहा है किसी समय शराब, नशे व हथियारों का भी इसी तरह गुणगान किया जाता रहा, इसी का परिणाम निकला कि दूध, घी और लस्सी की धरती कहे जाने वाले पंजाब को लेकर 'उड़ता पंजाब' जैसी फिल्में बनने लगीं। हथियारों के गुणगान ने राज्य में दर्जनों के हिसाब से गैंगस्टर पैदा किए। इन्हीं गैंगस्टरों, आतंकियों व नशा तस्करों के कोकटेल ने राज्य की अमन शांति व विकास को घुन की भांति चाट लिया। अगर कट्टरपंथियों का यशोगान यूं ही जारी रहा तो आने वाली नस्लों के लिए यही कट्टरपंथी लोग आदर्श बनेंगे। गलत आदर्श अपराधी समाज का निर्माण करेगा, जो देश-समाज के लिए कई तरह की परेशानियां पैदा करेगा। समय की मांग है कि राज्य में तालिबानीयत पर पुष्पवर्षा की प्रवृत्ति को रोका जाए। पंजाब के राजनीतिक दल, पंथक संस्थान, बुद्धिजीवी वर्ग व सामाजिक संगठन इस काम के लिए आगे आएं। यह देश के लिए चिंता का विषय होना चाहिए कि किस तरह ऋषि-मुनियों, पीरों-फकीरों व गुरुओं की धरती आज कट्टरपंथ की पौधशाला बनती दिख रही है।

झीलों की उपेक्षा के कारण ही देश में गहराता जा रहा है जल संकट

दुनिया की झीलों पर मंडरा रहे खतरों पर किये गये एक ताजा शोध एवं अनुसंधान में कहा गया है कि दुनिया की आधे से अधिक सबसे बड़ी झीलों और जलाशयों में पानी लगातार घट रहा है और वे सूखने की कगार पर हैं। इसके कारण धरती के कई हिस्सों में इंसानों की भविष्य की जल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। झीलों और बड़े जलाशयों के सूखने का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी और बढ़ती पानी की खपत को माना जा रहा है। ऐसे समय में जब पेयजल का गंभीर संकट महसूस किया जा रहा है और पानी के प्राकृतिक स्रोतों के संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है, यह इस शोध से हुआ नया खुलासा और चिंता पैदा करता है। व्यवस्थित रूप से इस संकट का अध्ययन करने के लिए एक टीम में अमेरिका, फ्रांस और सऊदी अरब के वैज्ञानिक शामिल थे। इन लोगों ने 1992 से 2020 तक की सेटेलाइट तस्वीरों का उपयोग करते हुए पृथ्वी की सबसे बड़ी 1,972 झीलों और जलाशयों को देखा। उन्होंने बड़े पैमाने पर उपग्रहों की बेहतर सटीकता के साथ-साथ इंसानों और वाइल्ड लाइफ के लिए महत्व होने के कारण बड़े मीठे पानी की झीलों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। इस अध्ययन में यह देखने की कोशिश की गई झीलों में पानी की मात्रा में लगभग 30 साल में कैसे और कितना अंतर आया है। नतीजों में पाया गया कि 53 फीसदी झीलों और जलाशयों में पानी की मात्रा में लगभग 22 गीगाटन सालाना की दर से गिरावट देखी गई। इस तरह सरकारों और जल संचय के लिए काम करने वाले सामाजिक संगठनों के लिए यह चेतावनी की घंटी है। झीलें एक प्रकार की प्राकृतिक जलाशय है, जिनके पानी का उपयोग पेयजल और उद्योगों आदि के काम में किया जाता है। जिस तरह नदियों का जलस्तर घटते जाने की वजह से दुनिया के अनेक शहरों में पेयजल का गहरा संकट पैदा हो गया है, उसी तरह झीलें अगर सिकुड़ती गईं, तो यह संकट और गंभीर होता जाएगा। नदियों एवं झीलों में गिरते जल स्तर से आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ एवं झीलें पर्यटन को प्रोत्साहन देने से प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है और जल स्तर लगातार घट रहा है। आज विश्व के सभी देशों में झीलों से मिलने वाले स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना जरूरी है साथ ही जल संरक्षण के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित करना है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? झीलों, नदियों, जलाशयों और अन्य प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखते जाने को लेकर लगातार अध्ययन होते रहे हैं, उनके आंकड़ों से वजहें भी स्पष्ट हैं। मगर उनके संरक्षण को लेकर जिन व्यावहारिक उपायों की अपेक्षा की जाती है, उन पर अमल नहीं हो पाता। झीलों का स्रोत आमतौर पर पहाड़ों से आने वाला पानी होता है। वह बर्फ के पिघलने या फिर वर्षाजल के

रूप में संचित होता है। मगर जलवायु परिवर्तन की वजह से जिस तरह दुनिया भर में गर्मी बढ़ रही है, उसमें कई जगह पहाड़ों पर पहले की तरह बर्फ नहीं जमती और न पर्याप्त वर्षा होती है। फिर उनसे जो पानी पैदा होता है, उसका अनुपात बिगड़ चुका है। बरसात की अवधि कम और बारिश की मात्रा कम या अधिक होने से झीलों में पर्याप्त पानी जमा नहीं हो पाता। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है, इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। जिनमें झीलों एवं नदियां ही मुख्य जलस्रोत है। लेकिन, मानव अपने पर्यटन, स्वास्थ्य, सुविधा, दिखावा व विलासिता में अमूल्य जल की बर्बादी करने से नहीं चूकता। पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश झीलों एवं नदियों में जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। तापमान में जैसे-जैसे वृद्धि हो रही है, भारत के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। प्रतिवर्ष यह समस्या पहले के मुकाबले और बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण पहाड़ों पर लगातार बढ़ रहा पर्यटन और औद्योगिक वाणिज्यिक गतिविधियां हैं। पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने का एक बड़ा नुकसान यह भी हुआ है कि झीलों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिसके चलते उनमें कचरा जमा होता गया है। उनकी नियमित गाद निकालने की व्यवस्था न होने से वे उथली होती गई हैं। कई झीलों का पाट सिकुड़ता गया है। देश की प्रमुख झीलों जिनमें कश्मीर की डल झील हो या पुष्कर सरोवर या उदयपुर की झीलें- यह सरकारों की उपेक्षा का नतीजा तो है ही, सामाजिक संगठनों की उदासीनता का भी पता देता है। पहले सामुदायिक जल स्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित होती थी, मगर अब वह परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। झीलों की सेहत सुधारनी है, तो यह उदासीनता और उपेक्षा का भाव त्यागना होगा, एक सुनियोजित समझ एवं सोच झीलों के जलस्रोत एवं संरक्षण के लिये विकसित करनी होगी।

भारत में झीलों के जल का मुख्य जलस्रोत पहाड़ों से आने वाले बर्फ के पिघलने एवं झरनों से आने वाला जल है। हमारे यहां उत्तराखण्ड के पहाड़ उसके बड़े उदाहरण हैं। लेकिन वहां बड़े पैमाने पर शुरू हुई विकास परियोजनाओं की वजह से न सिर्फ पहाड़ों के धंसने और स्खलित होने की घटनाएं बढ़ी हैं, बल्कि अनेक प्राकृतिक जल स्रोतों पर संकट मंडराने लगा है। वहां की नदियों और पहाड़ी झरनों का मार्ग अवरुद्ध होने से झीलों तक पहुंचने वाले जल काफी कम हो गया है। बहुत सारी झीलों के पानी का अतार्किक दोहन बढ़ा है। उनका बड़े पैमाने पर औद्योगिक इकाइयों के लिए इस्तेमाल होने लगा है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक जल उपयोग पिछले 100 वर्षों में छह गुणा बढ़ गया है, और बढ़ती आबादी, आर्थिक विकास तथा खपत के तरीकों में बदलाव के कारण यह प्रतिवर्ष लगभग एक प्रतिशत की दर से लगातार बढ़ रहा है। पानी की अनियमित और अनिश्चित आपूर्ति के साथ-साथ, जलवायु परिवर्तन से वर्तमान में पानी की कमी वाले इलाकों की स्थिति विकराल रूप ले चुकी है। ऐसी स्थिति में, जल- संरक्षण एकमात्र उपाय है। जल संरक्षण का अर्थ पानी की बर्बादी और उसे प्रदूषित होने से रोकना है। क्योंकि जल है तो कल है। इनमें झीलों के जल को संरक्षित करना एवं उनके प्राकृति स्रोत पर ध्यान देना जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक दक्षिण भारत सहित दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हाल में आई सूखे की घटनाओं ने भी झीलों एवं जलाशयों के भंडारण में हो रही गिरावट में योगदान दिया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक दुनिया की करीब एक चौथाई आबादी यानी 200 करोड़ लोग ऐसे बेसिनों में रह रहे हैं जहां झीलें सिकुड़ रही हैं। ऐसे में इंसानी खपत, जलवायु परिवर्तन और उनमें जमा होती गाद जैसे मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ऐसे करेगी डैमेज कंट्रोल सचिन पायलट को बनाया जा सकता है प्रदेश अध्यक्ष

नई। राजस्थान की राजनीति में सियासी सरगर्मी काफी है। इस बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को दिल्ली तलब किया गया है। चुनाव से पहले आलाकमान दोनों नेताओं के बीच मतभेद दूर करने की कोशिश करेगा। सूत्रों का कहना है कि सचिन पायलट को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। खरगे गहलोत और पायलट से अलग-अलग मिलेंगे, पार्टी के सूत्रों ने कहा, क्योंकि यह उनके दोनों दृष्टिकोणों को समझने के लिए नेतृत्व का पहला कदम था। उन्होंने कहा कि मतभेदों को दूर करने के बाद ही संयुक्त बैठक हो सकती है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (आरपीसीसी) जुलाई 2020 से उथल-पुथल की स्थिति में है, जब पायलट ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की मांग को लेकर विद्रोह किया था। दोनों के बीच चल रही खींचतान में शांति कायम करने की कोशिश के रूप में पार्टी आलाकमान की तरफ से ये कवायद की जा रही है। राज्य में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी ने पायलट के बगावत के बाद उन्हें उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। लेकिन उसके बाद से तनाव बरकरार है।

सिद्धरमैया के पास वित्त, शिवकुमार को सिंचाई एवं बेंगलुरु शहर विकास विभाग

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने अपने मंत्रिमंडल में मंत्रियों को विभागों का बटवारा कर दिया है। मुख्यमंत्री के पास वित्त जबकि सिंचाई तथा बेंगलुरु शहर विकास विभाग उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार सहित 10 मंत्रियों ने 20 मई को शपथ ली थी, इसके बाद गत शनिवार को 24 और मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। कर्नाटक सरकार की ओर से देर रात जारी एक अधिसूचना के अनुसार, जी. परमेश्वर को गृह विभाग, एम. बी. पाटिल को बड़े एवं मध्यम उद्योग विभाग और के.जे. जॉर्ज को ऊर्जा विभाग दिया गया है।

दिल्ली मर्डर केस का आरोपी साहिल पुलिस के हत्थे चढ़ा, बुलंदशहर से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में नाबालिग लड़की की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपी साहिल को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे पुलिस ने बुलंदशहर से गिरफ्तार किया है। साहिल ने 28 मई को नाबालिग युवती पर ताबड़तोड़ 40 वार करने के बाद उसे पत्थर से कुचल कर मौत के घाट उतार दिया था।

आरोपी साहिल की सीसीटीवी फुटेज के जरिए पहचान की गई थी जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने छह टीमें बनाकर उसकी छानबीन शुरू कर दी थी। घटना को अंजाम देने के बाद से ही आरोपी साहिल फरार घूम रहा था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने लगातार छानबीन कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले के सामने आने के बाद दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने भी संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में नाबालिग मासूम गुड़िया को चाकू से गोदकर मारा गया और उसके बाद पत्थर से कुचल दिया गया। दिल्ली में दरिंदों के हौसले बुलंद है। पुलिस को नोटिस जारी कर रहे है। सभी हदें पार हो गई है। मैंने इतने सालों के करियर में इससे भयानक कुछ नहीं देखा है।'

इसके बाद स्वाति मालीवाल ने एक वीडियो में कहा कि दिल्ली में एक 16 वर्षीय को 40-50 बार चाकू मारा गया और फिर पत्थर से कई बार वार किया गया जिसके बाद उसकी मौत हो गई। यह सब सीसीटीवी में कैद हो गया है। कई लोगों ने इसे देखा लेकिन ध्यान नहीं दिया। दिल्ली महिलाओं और लड़कियों के लिए बेहद असुरक्षित हो गई है। उन्होंने कहा कि मैं केंद्र सरकार से केंद्रीय गृह मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली के मुख्यमंत्री और दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाने की

अपील करती हूं।

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में 16 वर्षीय लड़की की कथित तौर पर उसके प्रेमी ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। शाहबाद डेयरी इलाके में 16 वर्षीय लड़की पर लड़के ने सरेआम चाकू से 40 बार वार किया है और उसकी हत्या कर दी। आरोपी ने कथित तौर पर उसे पत्थर से कुचल कुचल कर मार दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लड़की शाहबाद डेयरी में जे. जे. कॉलोनी की निवासी थी। वह सड़क पर बदहवास हालत में मिली। अधिकारी ने बताया कि वह सड़क से गुजर रही थी जब लड़के ने उसे रोका और उस पर हमला कर दिया। लड़की के पिता की शिकायत के आधार पर शाहबाद डेयरी थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और शनिवार को उनके बीच झगड़ा हुआ था।

बता दें कि इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो रहा है। इसमें साफ नजर आ रहा है कि सड़क से जा रही लड़की को साहिल लगातार एक के बाद एक वार कर रहा है। इस दौरान आसपास कई लोग निकलते हैं मगर कोई लड़की की मदद नहीं करता और ना ही कोई साहिल को रोकने की कोशिश करता है। साहिल ने लड़की पर कई वार किए और उसे पत्थर से भी कुचल दिया। जानकारी के अनुसार लड़की को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया मगर उसने दम तोड़ दिया।

पीएम मोदी ने गुवाहाटी-एनजेपी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुवाहाटी से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जाने वाली पूर्वोत्तर की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को सोमवार को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने स्क्रीन पर प्रतीकात्मक रूप से हरी झंडी दिखा कर गुवाहाटी स्टेशन से ट्रेन रवाना की, जहां रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस पूर्वोत्तर में पर्यटन, शिक्षा, व्यापार एवं रोजगार को बढ़ावा देगी। गुवाहाटी एवं न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) के बीच चलाई गई अर्द्ध उच्च गति की यह ट्रेन असम एवं पश्चिम बंगाल के बीच संपर्क सेवा को मजबूत करेगी। मोदी ने कहा कि पिछले नौ साल में रेलवे नेटवर्क से जुड़े सभी राज्यों के साथ पूर्वोत्तर भारत ने ढांचागत विकास देखा है। प्रधानमंत्री ने कहा, "ढांचागत विकास बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए है, जो असल सामाजिक न्याय एवं धर्मनिरपेक्षता को दिखाता है।" यह अत्याधुनिक ट्रेन क्षेत्र के लोगों को तेज गति और आराम के साथ यात्रा करने का साधन प्रदान करेगी? और इससे क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रा को पांच घंटे 30 मिनट में तय करेगी, जबकि इस मार्ग पर वर्तमान सबसे तेज ट्रेन उसी यात्रा को तय करने में छह घंटे 30 मिनट का समय लेती है। प्रधानमंत्री ने 182 किलोमीटर लंबे मार्ग के नए विद्युतीकृत खंडों को भी राष्ट्र को समर्पित किया और असम के लुमडिंग में नवनिर्मित डेमू/मेमू शेड का भी उद्घाटन किया।

दिल्ली हत्याकांड पर बोली स्वाति मालीवाल,कहा- हदें पार होती रहेंगी, अपराधियों के हौसले बुलंद

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में सनसनी खेज वारदात का खुलासा हुआ है। यहां एक युवक ने 16 वर्षीय नाबालिग लड़की की बेरहमी से हत्या कर दी। इस मामले पर अब दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल का भी बयान सामने आया है। उन्होंने इस मामले पर संज्ञान लिया है।

इस मामले पर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने ट्वीट कर कहा, 'दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में एक नाबालिक मासूम गुड़िया को चाकू से गोद कर मारा गया और उसके बाद पत्थर से उसे कुचल दिया गया। दिल्ली में दरिंदों के हौसले बुलंद है। पुलिस को नोटिस जारी कर रहे है। सभी हदें पार हो गई है। मैंने इतने सालों के करियर में इससे भयानक कुछ नहीं देखा है।'

उन्होंने कहा कि एक 16 वर्षीय को 40-50 बार चाकू मारा गया और फिर पत्थर से कई बार वार किया गया जिसके बाद उसकी मौत हो गई। यह सब सीसीटीवी में कैद हो गया है। कई लोगों ने इसे देखा लेकिन ध्यान नहीं दिया। दिल्ली महिलाओं और लड़कियों के लिए बेहद असुरक्षित हो गई है। उन्होंने कहा कि मैं केंद्र सरकार से केंद्रीय गृह मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली के मुख्यमंत्री और दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाने

की अपील करती हूं।

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में 16 वर्षीय लड़की की कथित तौर पर उसके प्रेमी ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। शाहबाद डेयरी इलाके में 16 वर्षीय लड़की पर लड़के ने सरेआम चाकू से 40 बार वार किया है और उसकी हत्या कर दी। आरोपी ने कथित तौर पर उसे पत्थर से कुचल कुचल कर मार दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लड़की शाहबाद डेयरी में जे. जे. कॉलोनी की निवासी थी। वह सड़क पर बदहवास हालत में मिली। अधिकारी ने बताया कि वह सड़क से गुजर रही थी जब लड़के ने उसे रोका और उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और शनिवार को उनके बीच झगड़ा हुआ था। लड़की अपनी दोस्त के बेटे के जन्मदिन की पार्टी में जा रही थी जब लड़के ने उसे रास्ते में रोका और उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम से ही पुष्टि होगी कि उस पर कितनी बार चाकू से वार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी फरार है और उसकी तलाश जारी है। लड़की के पिता की शिकायत के आधार पर शाहबाद डेयरी थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा का कहना है कि आरोपी की पहचान हो गई है। कई टीमें बनाई गई हैं जो मामले की जांच में जुटी हुई है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

बुलढाणा। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह एक कार के डिवाइडर से टकराने के बाद उसमें आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बीबी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि हादसा एक्सप्रेस वे पर देउलगांव कोल गांव के पास सुबह करीब पांच से साढ़े पांच बजे के बीच हुआ। उन्होंने बताया कि तीन लोगों को लेजा रही कार सड़क पर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे एक व्यक्ति वाहन से बाहर गिर गया। अधिकारी ने बताया कि टक्कर के बाद कार में आग लग गई जिससे वाहन में सवार दो लोगों की जलकर मौत हो गई। वाहन से बाहर गिरे व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक सूचना के अनुसार कार में डीजल का डिब्बा रखा था। औरंगाबाद जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर पिछले बुधवार को एक कार के डिवाइडर से टकराने से चार लोगों की मौत हो गई थी।

दिल्ली में आज आंशिक रूप से बादल छाने और रुक-रुककर बारिश होने की संभावना

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और रुक-रुक कर बारिश होने से शहर में तापमान नियंत्रण में रह सकता है। पांच से छह दिनों तक लू की स्थिति लौटने की संभावना नहीं है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र ने यह जानकारी दी। सफदरजंग वेधशाला में सोमवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 21.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान के 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सफदरजंग वेधशाला में मई में अभी तक 86.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

आमतौर पर इस महीने में राष्ट्रीय राजधानी में औसतन 19.7 मिमी बारिश होती है। दिल्ली में इस महीने की शुरुआत में असामान्य रूप से घना कोहरा भी देखा गया। चार मई को न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा, जो 1901 से अभी तक की मई की तीसरी सबसे ठंडी सुबह थी। आईएमडी ने 1901 से ही मौसम संबंधी आंकड़े एकत्रित करने शुरू किए थे। शहर में अप्रैल में 20 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई थी, जो 2017 के बाद से इस महीने में हुई सर्वाधिक बारिश है। सफदरजंग वेधशाला ने इस मौसम में अभी तक कोई गर्म दिन दर्ज नहीं किया है।

आईएमडी के मुताबिक, मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने या सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होने पर चलने वाली गर्म हवाओं को 'लू' घोषित किया जाता है। वहीं, तापमान के सामान्य से 6.4 डिग्री अधिक होने पर 'भीषण लू' की घोषणा की जाती है। आईएमडी के अनुसार, ताजा पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण सोमवार और मंगलवार को कुछ स्थानों पर तेज हवाएं चलने के साथ ही बारिश होने और ओले गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान के चार जून तक 40 डिग्री सेल्सियस से कम ही रहने के आसार हैं।

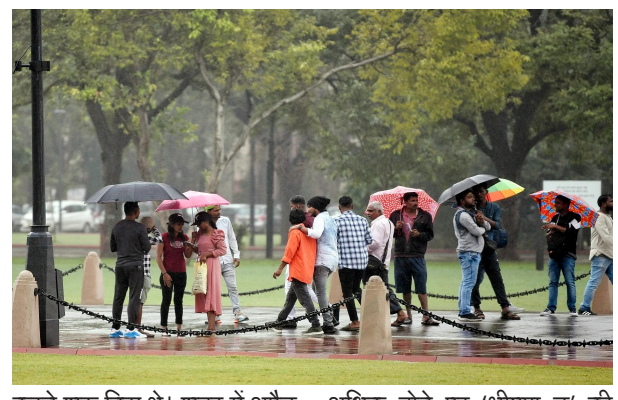

राहुल गांधी के 150 सीट वाले दावे पर शिवराज का पलटवार, बोले- मन को बहलाने का ख्याल अच्छा है

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में इस साल होने वाले चुनाव को लेकर अब राजनीति तेज होती दिखाई दे रही है। कर्नाटक में मिली जीत से उत्साहित कांग्रेस ने आज मध्यप्रदेश को लेकर एक बड़ी बैठक की है। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अलावा मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रमुख कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और कई अन्य नेता उपस्थित शामिल हुए। इस बैठक के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि कर्नाटक में हमने जो किया उसे हम दोहराने जा रहे हैं। हम 150 सीट जीतेंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस बयान पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान ने पलटवार किया है। राहुल के 150 सीट वाले दावे पर शिवराज ने कहा कि मन को बहलाने को बाबा ख्याल अच्छा है। भाजपा मध्य प्रदेश में 200 से ज्यादा सीटें

जीतेगी। अब उनको ख्याली पुलाव पकाने हैं तो पकाते रहें। इससे पहले नरोत्तम मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा था कि दिल्ली में आज होने वाली मध्यप्रदेश कांग्रेस की बैठक में विस्फोट होने वाला है!

राहुल गांधी ने अपना बयान दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक में हमने जो किया उसे हम दोहराने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी लंबी चर्चा चली, हमारा आंतरिक आंकलन है कि हमें कर्नाटक में 136 सीटें मिली, हमें मध्य प्रदेश में 150 सीटें मिलने वाली है। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य पार्टी प्रमुख कमलनाथ ने कहा कि अभी बेहद महत्वपूर्ण बैठक हुई, चुनाव में कैसी रणनीति बनाई जाए, मध्य प्रदेश का भविष्य कैसे सुरक्षित रखा जाए इस पर चर्चा हुई। जो राहुल गांधी(एमपी में कांग्रेस को 150 सीटें मिलने के बयान) जी ने कहा है हम सभी उनकी बात से सहमत है।

लगातार 11वीं बार होगी एर्दोगान की ताजपोशी

तुर्किये को बनाने वाले अतातुर्क के बाद अब तक के दूसरे सबसे बड़े लीडर बने

कीव (एजेंसी)।रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने तुर्की का राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। दूसरे राउंड में एर्दोगान ने बहुमत हासिल किया है। एर्दोगान की जीत पर अंकारा में जश्न मनाया जा रहा है। लगातार चुनावों में जीत मिलने से अब वो तुर्किये को बनाने वाले नेता कमाल अतातुर्क के बाद दूसरे बड़े नेता बन गए। रजब तैयब एर्दोगान ने लागातार 11वीं बार तुर्कीए का राष्ट्रपति का चुनाव जीत कर इतिहास रच दिया है। लंबे समय से सत्ता पर काबित एर्दोगान को विपक्षी नेता कमाल किलिकडारोग्लू से कड़ी टक्कर मिली। 28 मई को हुए रन अप दौर में एर्दोगान ने 52.1 प्रतिशत वोट लेकर बाजी मार ली है। जबकि कमाल किलिकडारोग्लू को 47.9 प्रतिशत वोट ही मिले। जीत के बाद एर्दोगान ने तुर्की के लोगों को धन्यवाद कहा और अपनी पार्टी के किए वादों को पूरा करने का भी ऐलान किया। एर्दोगान की जीत के ऐलान से पहले ही अंकारा में जीत का जश्न मनाया जा रहा था। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एर्दोगान को फिर से राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी और ट्विट करके कहा कि मैं द्विपक्षीय मुद्दों और साझा वैश्विक चुनौतियों पर नाटो सहयोगी के रूप में एक साथ काम करना जारी रखने की आशा जताता हूं। वहीं नाटो चीफ जेन्स स्टोल्टेनब ने कहा कि आपके दोबारा चुने जाने पर आपको बधाई देता हूं। जुलाई में होने वाली समिट के लिए एक साथ अपना काम करने और तैयारी करने के लिए उत्सुक हूं। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि तुर्किये के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर एर्दोगान को बधाई! मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में वैश्विक मुद्दों पर हमारे द्विपक्षीय संबंध और सहयोग बढ़ते रहेंगे।' 74 साल

के पूर्व नौकरशाह कमाल किलिकडारोग्लू मुख्य प्रतिद्वंद्वी रहे। वह गांधीजी जैसा गोल चश्मा पहनते हैं और बेहद विनम्र हैं। उन्हें तुर्की का गांधी भी कहा जाता है। किलिकडारोग्लू ने एर्दोगन के लोकतांत्रिक पिछड़ेपन को उलटने के वादों पर अभियान चलाया, ताकि पारंपरिक नीतियों पर वापस लौटकर अर्थव्यवस्था को बहाल किया जा सके और पश्चिम के साथ संबंधों में सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनाव अब तक का सबसे अन्यायपूर्ण चुनाव था, जिसमें एर्दोगन के लिए सभी राज्य संसाधन जुटाए गए थे। उन्होंने अंकारा में कहा कि जब तक हमारे देश में वास्तविक लोकतंत्र नहीं आ जाता, तब तक हम इस संघर्ष में सबसे आगे रहेंगे। वर्षों के आर्थिक कुप्रबंधन के बाद नवंबर 2022 में तुर्की की मुद्रास्फीति दर 85 प्रतिशत पर पहुंच गई। फिर ये दिसंबर में कुछ कम होकर 64 प्रतिशत हो गई। यह यूरोप में अब तक की सबसे ऊंची दर है। तुर्की का विदेशी मुद्रा भंडार घट रहा है और राष्ट्र को बढ़ते चालू-खाता घाटे का सामना करना पड़ रहा है। 3.6 मिलियन सीरियाई शरणार्थियों की उपस्थिति से तुर्की की आबादी तेजी से असंतुष्ट है, जिसे तुर्की ने सीरियाई गृहयुद्ध की शुरुआत में स्वीकार किया था। एर्दोगन के बढ़ते निरंकुश 20 साल के शासन से भी थकान बढ़ रही है। पूरी पीढ़ी किसी अन्य नेता को नहीं जानती। तुर्की की 600 सीटों वाली संसद में प्रवेश के लिए एक पार्टी के पास 7 प्रदतिशत वोट होना जरूरी है। फिर पार्टी किसी ऐसे गठबंधन का हिस्सा हो जिसके पास वोटों की जरूरी संख्या मौजूद हो। तुर्की में एक व्यक्ति केवल 2 टर्म तक ही राष्ट्रपति रह सकता है। एर्दोगन के 2 कार्यकाल पूरे हो चुके हैं। लेकिन 2017 में राष्ट्रपति के अधिकारों से जुड़ा रेफरेंडम लाया गया था, जिसकी वजह से उनका कार्यकाल जल्दी खत्म हो गया। इसी वजह से एर्दोगन को तीसरी बार चुनाव लड़ने की इजाजत मिल गई।

'मैडम' के लिए कांग्रेस ने बदल दिया था देश का कानून?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन कर दिया। लेकिन पीएम मोदी द्वारा इसके उद्घाटन किए जाने पर कांग्रेस समेत विपक्ष के 21 दलों ने समारोह का बायकॉट किया। वहीं बीजेपी की तरफ से कांग्रेस की सरकार के दौरान विभन्न विधानसभाओं के उद्घाटन में सोनिया गांधी को बुलाए जाने और राज्यपाल से किनारा करने के मुद्दे को रेखांकित किया। वहीं हाल ही में एक टीवी चैनल में मणिपुर विधानसभा के शिलापट पर सोनिया गांधी के नाम को लेकर चल रही डिबेट में ये मुद्दा उठा। उस वक्त एक टीवी चैनल में कांग्रेस के एक प्रवक्ता इस बात को डिफेंड करते-करते यूपीए चेयरपर्सन के पद को संवैधानिक तक बता डाला। वहीं यूपीए सरकार के दौर में सोनिया गांधी की भूमिका पर चर्चा भी शुरू हो गई है। इस क्रम में साल 2006 का घटनाक्रम जानना आवश्यक हो जाता है जिसमें सोनिया गांधी को लाभ का पद के पद को लेकर विवाद की वजह से सोनिया गांधी को लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा देकर रायबरेली से दोबारा चुनाव लड़ना

धारण करने के मामले में संसद के अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

ये यूपीए-1 के शासनकाल यानी 2006 की बात है जब लाभ पड़ा था। सांसद होने के साथ सोनिया को राष्ट्रीय सलाहकार परिषद का चेयरमैन बनाए जाने से लाभ के पद का मामला बन गया था। ये कॉउन्सिल नीतिगत मामलों पर सरकार को सलाह देगी। हालांकि, ये तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि ये कॉउन्सिल असल मायनों में सुपर सरकार की भूमिका में कार्य करती थी। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुसार अगर किसी सांसद या विधायक ने 'लाभ का पद' लिया है तो उसकी सदस्यता जाएगी चाहे उसने वेतन या दूसरे भत्ते लिए हों या नहीं।

संविधान के आर्टिकल 102 (1) (ए) के तहत सांसद या विधायक ऐसे किसी और पद पर नहीं हो सकता, जहां अलग से सैलरी, अलाउंस या बाकी फायदे मिलते हों। इसके अलावा आर्टिकल 191 (1)(ए) और पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव एक्ट के सेक्शन 9 (ए) के तहत भी ऑफिस ऑफ प्रॉफिट में सांसदों-विधायकों को अन्य पद लेने से रोकने का प्रावधान है।

मिलेगी फांसी की सजा? दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कश्मीरी अलगाववादी यासीन मलिक के लिए मौत की सजा का अनुरोध करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की है। यह कदम एनआईए द्वारा मलिक के लिए मौत की सजा को सुरक्षित करने के पिछले प्रयास के बाद आया है, जिसे शुरू में एक ट्रायल कोर्ट द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। एनआईए की याचिका पर न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह की पीठ आज सुनवाई कर रही है। जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक के खिलाफ विशिष्ट आरोपों पर दिल्ली हाई कोर्ट के सवाल का जवाब देने के लिए एनआई को संघर्ष करना पड़ रहा है। एनआईए मलिक के लिए मौत की सजा की मांग कर रही है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को जवाब देने के लिए मामले को दोपहर 12:15 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया था।

संयुक्त राष्ट्र की इमारत भी इसके सामने छोटी...भारत की नई संसद पाकिस्तान में बटोर रही तारीफ

संयुक्त राष्ट्र। भारत में नए संसद भवन का शानदार तरीके से उद्घाटन हो गया है। सोशल मीडिया पर नए संसद भवन की तस्वीरें और वीडियो भी खूब वायरल हो रहे हैं। दूसरे देशों से नए संसद भवन पर खूब तारीफ बटोरी जा रही है। नई संसद के लुक, डिजाइन और थीम देखकर पाकिस्तानियों के होश उड़े हुए हैं। साथ ही पूरा पाकिस्तान अपनी कंगाली पर आंसू बहा रहा है। भारत में संसद की नई बिल्डिंग देख पाकिस्तानी परेशान हो रहे हैं और वहां की जनता को अपने हर नेता के हाथ में कटोरा भी दिख रहा है।

पाकिस्तानी एक्सपर्ट हामिद बसानी बोलते नजर आए कि भारत अगर 2.5 बिलियन की बना रहा है तो बहुत ही दिलचस्प है। क्योंकि 2.5 बिलियन पाकिस्तान की गले की हड्डी बना रहा है। 6 महीने से आईएमएफ ने पाकिस्तान को गर्दन से पकड़कर दीवार पर टांग दिया कि 6 महीने तक आपको लोन मिलेगा की नहीं। वहीं दूसरी तरफ भारत एक इमारत बना रहा है तो उसकी वजह भारत की तरक्की है। वहीं कमर चीमा नाम के एक पाकिस्तानी पत्रकार को कहते सुना गया कि भारत अंग्रेजों की गुलामी के प्रतीकों को हटाना चाहती है। भारत में एक परंपरा चल पड़ी है कि हमें भारत को नई पहचान देनी है। हर जगह भारतीय कल्चर ला रहे हैं। पाकिस्तानी यूट्यूबर बोलता हुआ नजर आ रहा है कि जिस तेजी से काम हुआ है मैंने पहली बार देखा है कि इतनी तेजी में इतनी बड़ी इमारत बनाई गई। उसके साथ मौजूद एक अन्य शख्स बोलता नजर आता है कि इतनी तेजी में ट्रांगुलर शेप में बना है ये। अंधर से देखो तो आंखे चकाचौंध हो जाती है। यह बिल्कुल यूएनएससीकी तरह लग रहा है। यूएन की ईमारत बी इससे छोटी है यह बड़ी है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। व्यापार-व्यवसाय में आपको लाभ होगा। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे। किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। विरोधी वर्ग से सावधान रहें। अपनो का पूर्ण सहयोग मिलेगा। कोई बड़ा कार्य आज आपका पूर्ण हो सकता है।

वृषभ राशिः आज आपका दिन उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। किसी कार्य विशेष के लिए आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय में नया और बड़ा काम शुरू कर सकते हैं। परिवारिक मतभेद बढ़ सकते हैं। पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी।

मिथुन राशि : आज के दिन आप लम्बी यात्रा आदि पर जा सकते हैं। वाहन आदि को चलाने में सावधानी बरतें। व्यापार-व्यवसाय में आप आज कोई नया काम शुरू न करें, नहीं तो बड़ी हानि उठानी पड़ सकती है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आप अपने को स्वस्थ महसूस करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में कोई विशेष व्यक्ति के मिलने से लाभ होगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। वाद-विवाद से आज आप दूर रहें नहीं तो आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सिंह राशिः आज का दिन आपका शानदार रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में आपको लाभ प्राप्त होगा। कोई रुका हुआ काम पूर्ण होगा। विरोधी परास्त होंगे और न्यायालय पक्ष में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा और परिवार में मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

कन्या राशिः आज का दिन आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान रहेंगे। स्वास्थ्य मे उतार-चढ़ाव बना रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में सहयोगी लोगों से हानि उठानी पड़ सकती है। कोई नया काम आज शुरू न करें। पत्नी से मतभेद हो सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन आप प्रशासनिक कार्य में उलझ सकते हैं। कोई पुराना विवाद सामने आ सकता है। परिवार में पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में हानि उठानी पड़ सकती है। वाहन आदि के उपयोग में सावधानी बरतें

वृश्चिक राशिः आज आप का दिन अच्छा रहने वाला है। सोचे हुए कार्य पूर्ण होने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात होगी। नया कोई काम आज आप शुरू कर सकते हैं। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे। कोई नया सदस्य परिवार में आ सकता है।

धनु राशिः आज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी और न्यायालय पक्ष में आज आपकी विजय होगी। नौकरी वर्ग वालों को पदोन्नति मिल सकती है। परिवार में शादी विवाह के योग बनेंगे। पत्नी से संबंध मधुर होंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपका उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। आप कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। परंतु विरोधी वर्ग से सतर्क रहें। बड़ा लेन-देन आप आज न करें। किसी काम के लिए आज आपको बाहर जाना पड़ सकता है। यात्रा आदि में सावधानी बरतें।

कुंभ राशिः आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। खान-पान पर नियंत्रण रखें। परिवार में आपका सम्मान बना रहेगा। पड़ोसी से मतभेद बढ़ सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में आज आपको हानि उठानी पड़ सकती है। नौकरी वर्ग वालों का अपने अधिकारी वर्ग से वाद-विवाद हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन राशिः आज का दिन आप कोई नया निर्णय व्यापार-व्यवसाय में कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आज आप परिवर्तन कर सकते हैं। परिवार में आज आपको सबका सहयोग मिलेगा। पत्नी से संबंध ठीक होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें। वाद-विवाद से दूर रहें।

संकट की घड़ी में मददगार बनीं उर्वशी रौतेला, दान में दिए थे इनते करोड़

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला हमेशा सोशल मीडिया पर अपनी हॉट तस्वीरों की वजह से सुर्खियों में बनीं रहती हैं। आज उर्वशी रौतेला किसी तस्वीर या फिल्म के कारण नहीं बल्कि मदद करने के लिए सुर्खियों में आयी हैं। कोरोनोवायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में सहायता के लिए अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने 5 करोड़ रुपये का दान दिया है, और कहा कि हमें एक साथ आने की जरूरत है और कोई भी दान बहुत छोटा नहीं है। हाल ही में, उर्वशी ने अपने फैंस के लिए वर्चुअल डांस मास्टरक्लास आयोजित करने के बारे में जानकारी इंस्टाग्राम पर दी थी। उसका सत्र उन सभी के लिए स्वतंत्र था जो अपना वजन कम करना चाहते हैं और डांस सीखना चाहते हैं। सत्र में में उर्वशी ने जुम्बा, तबता और लैटिन डांस सिखाया। टिकटोक पर डांस मास्टरक्लास ने उसे 18 मिलियन लोगों के साथ जोड़ा, और उसे इसके लिए 5 करोड़ रुपये मिले, जिसे उर्वशी ने दान कर दिया। उर्वशी में अपने बयान में कहा कि 'मैं सभी के प्रति बहुत आभारी हूं, जो कुछ भी वे कर रहे हैं, न केवल अभिनेताओं, राजनेताओं, संगीतकारों या पेशेवर एथलीटों के लिए, बल्कि आम लोगों के लिए भी, क्योंकि हम सभी को एक साथ रहने की आवश्यकता है, और हम सभी को उनके समर्थन की आवश्यकता है।

कंचन अवस्थी आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं

आधुनिक समाचार सेवा

लखनऊ। थिएटर से शुरुआत करके मुंबई में अपने अभिनय का परचम लहरा रही हैं। कंचन अवस्थी ने बहुत सी फ़िल्मों में बतौर मुख्य नायिका का किरदार निभाया है। और इसके साथ ही साथ उन्हें अभी भारत- भूषण 2022 से भी नवाज़ा जा चुका है। अभी हाल ही में उन्हें वाग्धारा स्वयंसिद्धा सम्मान से नवाज़ा गया । यह सम्मान उन्हें केरल के राज्यपाल द्वारा दिया गया। सादगी की मिसाल स्नेही स्वभाव और सादगी से सुसज्जित विश्विख्यात फिल्म अदाकारा कंचन अवस्थी जिन्होंने फिल्म किस मार्क, लव हैकर्स , मंटो रिमिक्स, कुतुबमीनार , गन वाली दुल्हनिया, फ्रॉड सैयां , भूतवाली लव स्टोरी, मै खुदीराम बोस हूँ, , अंकुर अरोरा मर्डर केस वेबसीरीज भईया जी स्माइल, रन अवे लुगाई,रात बाकी है,स्तितली कैरंट मारती है,जी टी वी सीरियल अम्मा,आती रहेगी बहारें,मेरा गाँव मेरा देश जैसे प्रसिद्ध सीरियल मे अपनी कलाकारी का जलवा बिखेर चुकी है आधुनिक समाचार की कॉफी के साथ फुर्सत के समय।

यह फिल्मों का त्योहार है, कपड़ों का नहीं... नंदिता दास ने सभी को याद दिलाया कि कान्स फिल्म समारोह क्या है!

मुम्बई। हमें यकीन है कि आपने कान्स फिल्म फेस्टिवल में ऐश्वर्या राय बच्चन के शानदार आउटफिट और ईशा गुप्ता के हाई-स्लिट गाउन को देखा होगा, जिसने सभी का ध्यान खींचा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में कितनी या कौन सी भारतीय फिल्में दिखाई जा रही हैं ? शायद बहुत कम ही लोगों को ये बात पता होगी। सोचिए एक फिल्म फेस्टिवल फेशन शो बन गया हैं। इसी तथ्य पर फिल्म निर्माता और अभिनेत्री नंदिता दास ने सभी को याद दिलाया है कि कान्स क्या है! फेसबुक पर एक नोट में उन्होंने लिखा, 'दुख की बात है कि इस साल कान्स की कमी खल रही है। कभी-कभी लोग यह भूल जाते हैं कि यह कपड़ों का नहीं बल्कि फिल्मों का त्योहार है!' इसके अलावा, उन्होंने खुलासा किया कि वह इतने सालों से त्योहार पर साड़ी पहन रही है। उन्होंने कहा कि काफी लोगों ने कान्स में मेरे साड़ी पहनने पर ऐतराज किया है। उनके बारे में नंदिता ने कहा कि 'कान में साड़ी पहनने वाली हस्तियों' के बारे में काफी हद तक बकवास है। वैसे यह निश्चित रूप से मेरा पसंदीदा परिधान है। सरल, सुरुचिपूर्ण और भारतीय। इससे बाहर निकल जाओ!।' उन्होंने कहा, 'प्रत्येक तस्वीर के पीछे एक दिलचस्प कहानी है, लेकिन साझा करने के लिए बहुत लंबी है। इसलिए आप जो तस्वीरें देखते हैं, उससे बेझिझक अपनी कहानी बनाएं। और अनुमान लगाएं कि वे किस वर्ष की हैं - 2005, 20013, 2016-2018। !' 2005 में, उन्होंने सलमा हायेक, फतिह अकिन, जेवियर बार्डेम, बेनोइट जैक्वॉट, टोनी मॉरिसन, एमीर कुस्तुरिका, एग्नेस वर्दा और जॉन वू के साथ मुख्य प्रतियोगिता जूरी में काम किया। 2013 में, वह जेन कैंपियन, माजी-दा आब्दी, निकोलेटा ब्राची और सेमिह कप्लानोग्लू जैसे उल्लेखनीय नामों के साथ सिनेफंडेशन और लघु फिल्मों की जूरी में थीं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत उनकी फिल्म मंटो का प्रीमियर 2018 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में अन सर्टेन रिगार्ड सेक्शन में किया गया था।

जब दीपिका पादुकोण ने कंगना रनौत की सोच पर सरेआम उठा दिए थे सवाल

मुम्बई।दीपिका पादुकोण और कंगना रनौत ने समृद्ध सामग्री-संचालित और व्यावसायिक फिल्मों के साथ शोबिज में एक लंबा सफर तय किया है। फिल्मी दुनिया में दोनों पूरी तरह से बाहरी होने के बावजूद, इंडस्ट्री में कंगना का सफर काफी कठिन रहा है। वहीं दीपिका पादुकोण का सफर काफी आसान। अब दोनों का एक पुराना वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दीपिका और कंगना से उनसे पैसों के लिए फिल्म साइन करने के बारे में पूछा गया था। जबकि कंगना ने ऐसा करना कबूल किया, वहीं इंटरव्यू के दौरान दीपिका ने कंगना के इस जवाब पर उनपर कटाक्ष किया।

2014 में, एक साक्षात्कार में, दोनों एक्ट्रेस से पूछा गया था, 'क्या आपने सिर्फ पैसे के लिए एक फिल्म साइन की है?' जबकि दीपिका ने कहा 'कभी नहीं', कंगना ने खुलकर जवाब दिया, 'हां, मैंने सिर्फ पैसे के लिए किया है।' इसके कंगना ने समझाया, 'बात मेरे करियर की है, जिस तरह से मेरा ग्राफ रहा है, आपने देखा होगा कि कभी-कभी अच्छी फिल्में आई हैं, और कुछ फिल्में दूसरों के हिसाब से अच्छी

नहीं होती हैं। मुझे क्राउड फोबिया है, मुझे स्टेज फीयर है। इसलिए, मैं एक ऐसी फिल्म करना पसंद करती हूं जो शायद एक अच्छा प्रदर्शन न हो या शायद कुछ ऐसा हो जिसमें मैं नहीं होना चाहती। मुझे यह करना बहुत आसान लगता है।

इसके बाद दीपिका ने बीच में टोकते हुए कहा, 'मुझे बस यही लगता है कि दिन के अंत में फिल्में ही आपको वो इंसान बनाती हैं जो आप हैं। फिल्मों का चुनाव, वे फिल्में कैसी चलती हैं, हमें यह पसंद है या नहीं, यह फिल्म की सफलता या असफलता है जो आपको बनाती है कि आप कौन हैं। पैसे कमाने के और भी रास्ते हैं, आप जानते हैं। अपने अवार्ड शो करें, अपनी उपस्थिति दें लेकिन आपकी फिल्में वास्तव में आपके करियर को तय करती हैं। मुझे नहीं लगता, मैं ऐसी फिल्म चुनूंगी जो मुझे अच्छा पैसा दे रही हो। मुझे नहीं लगता कि किसी को फिल्म के लिए अपनी पसंद को जोखिम में डालना चाहिए। जबकि विद्या बालन ने यह भी साझा किया कि उन्होंने पैसे के लिए फिल्में नहीं की हैं, उन्होंने यह भी बताया कि वे विशेषाधिकार की जगह से आती हैं जिसने उन्हें पसंद की विलासिता दी।

मासूमियत और अदाकारी से लोगो के दिलो पर कब्जा कर लिया श्रद्धा कपूर ने

मुम्बई। बहुत ही कम वक्त में इस अभिनेत्री ने अपनी मासूमियत और अदाकारी से लाखों दिलों पर कब्जा जमा लिया है। हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की। श्रद्धा कपूर का जन्म साल 1989 की 3 मार्च को मुंबई में हुआ है। श्रद्धा केवल एक अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि बहुत अच्छी गायिका भी हैं। श्रद्धा मशहूर एक्टर शक्ति कपूर की बेटी हैं। सबको लगता था कि श्रद्धा कपूर ने फिल्म आशिकी टू से हिंदी सिनेमा में एंट्री ली थी, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने अभिनेत्री के रूप में साल 2010 में आई फिल्म तीन पत्ती से बी की फिल्म टाउन में एंट्री ली थी। इस रोल के लिए इन्हें फिल्मफेयर

न्यूकमर डेब्यू के लिए नामांकित भी किया गया था। साल 2013 में आई रोमांटिक फिल्म आशिकी 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धमाका किया। इस फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार सहित सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के वर्ग में कई नामांकन प्राप्त किए। अभिनेत्री होने के साथ-साथ वे कई मंच प्रदर्शन में भाग लेती हैं और कई ब्रांडों के लिए सेलेब्रिटी प्रष्ठांकक चुनी गई है। श्रद्धा की पढ़ाई अमेरिकन स्कुल ऑफ बॉम्बे में हुई है। वहां पर वे पुरी श्रद्धा से फूटबॉल और हैंडबॉल खेलती थीं। आगे वे बॉस्टन गईं पढाई करने के लिये पर फेसबूक पर देखने के बाद उत्पादक अंबीका हिन्दुजा ने उनके प्रथम प्रवेश के लिए तीन पत्ती में एक भूमिका के लिए चुना था। श्रद्धा कपूर ने प्रथम प्रवेश तीन पत्ती के साथ किया जिसमे अमिताभ बच्चन, बेन किंगसले और आर माधवन अन्य अभिनेता थे। उन्होंने एक कॉलेज छात्रा की भूमिका निभाई थी। उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ महिला अभिनेतत्री के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था, पर बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्म नहीं चली। इसके बाद उन्होंने यश राज फिल्मस के साथ तीन फिल्म करने का सौदा किया और टीन कॉमेडी- लव का दी एंड में दिखाई दीं। फिल्म आशिकी टू में वे आरोही केशव शिरके की भूमिका निभाती हैं जो एक छोटे शहर की बार गायिका हैं। पर एक मशहूर गायक राहुल जयकर की मदद से एक बहुत बड़ी सफल पाशर्व गायिका बन जाती हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफलता पाई और सौ करोड़ से ज़्यादा कमाई की और बॉक्स ऑफिस द्वारा ब्लॉकबास्टरक फिल्म घोषित की गई।

काजोल, अक्षय सहित बॉलीवुड के तमाम सितारों ने बताया- 90 के दशक की कौन सी है पसंदीदा फिल्म?

मुम्बई। 90 का दशक शायद बॉलीवुड का सबसे पसंदीदा युग है। 90 के दशक में फिल्मों निर्देशकों ने फिल्मों के साथ नये अनुभव किये थ। यह दशक बॉलीवुड का बहुत कुछ खास समेटे हुए हैं। इस युग मे एक्शन-कॉमेडी बनीं हो या रोमांटिक हर सुपरहिट फिल्म को आज भी याद किया जाता हैं। बॉलीवुड के 90 के दशक को याद करके हुए इस समय ट्विटर पर ट्रेंड चलाया गया है जहां बॉलीवुड सितारों ने अपनी 90 के दशक की पंसदीदा फिल्म के बारे में बताना होगा। अब तक कई बड़े-बड़ें सितारें 90 के दशक की अपनी फेवरेट फिल्मों के बारे में बता चुके हैं। आइये जानते हैं किसको कौन सी है फेवरेट फिल्म- एक्ट्रेस काजोल ने शुरूआत करते हुए बताया कि 90 के दशक में मेरी पसंदीदा फिल्म मेरी खुद की फिल्म थी कुछ-कुछ होता है और प्यार तो होना ही था। इस ट्रेंड को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने अजय देवगन, आमिर खान, शाहरुख खान और तनीशा मुखर्जी को टेग कर दिया। अक्षय कुमार को उनकी 1999 की फ़िल्म संघर्ष पसंद है जहाँ उन्होंने प्रीति जिंटा और आशुतोष राणा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया। अंदाज़ अपना अपना 90 के दशक से एक और पसंदीदा है।

कान्स फिल्म समारोह में डेब्यू के लिए तैयार हैं मौनी रॉय

मुम्बई। कान्स फिल्म फेस्टिवल 16 मई से 27 मई तक चलने वाला है। अभी तक तमाम भारतीय एक्ट्रेस ने कान्स में अपनी अपीरियंस दे दी हैं। कुछ एक्ट्रेस कांस से वापस भी आ गयी हैं। भारतीय एक्ट्रेस की लंबी सूची में अब मौनी रॉय का भी नाम शामिल हो गया हैं। मौनी रॉय कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। ब्रह्मास्त्र अभिनेत्री इस 'सिनेमा और कलात्मकता के प्रतिष्ठित उत्सव' का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। ईशा गुप्ता, मृणाल ठाकुर और सारा अली खान के बाद, मौनी रॉय इस साल कान्स रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली अगली भारतीय सेलिब्रिटी हैं। नागिन से प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री प्रतिष्ठित फिल्म समारोह का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं। अपने कान्स डेब्यू को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए, मौनी रॉय ने कहा, 'प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी शुरुआत की घोषणा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। कान्स में लेंसकार्ट का प्रतिनिधित्व करना और रचनात्मकता के इस प्रतिष्ठित उत्सव का हिस्सा बनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। मैं इसके लिए आभारी हूं। यह अविश्वसनीय अवसर है और मैं इस वैश्विक मंच पर सिनेमा के लिए अपनी अनूठी शैली और जुनून दिखाने का इंतजार नहीं कर सकता।' मौनी रॉय ने कांस फिल्म फेस्टिवल में अपने आसन्न प्रीमियर के अलावा, पिछले साल ब्रह्मास्त्र में अपने प्रदर्शन के लिए ढेर सारा प्यार और वाहवाही बटोरी। दर्शक फिल्म में उनके काम से मंत्रमुग्ध थे और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को देखने में सक्षम थे। अपने काम के मोर्चे पर, मौनी को आखिरी बार ब्रह्मास्त्र में मुख्य प्रतिपक्षी जूनून के रूप में देखा गया था। वह अगली बार सनी सिंह और पलक तिवारी के साथ द वर्जिन ट्री में दिखाई देंगी। फिल्म का निर्देशन सिद्धांत सचदेव करेंगे और इसे संजय दत्त प्रोड्यूस करेंगे। रॉय के बहुमुखी प्रदर्शनों ने दर्शकों को मोहित कर लिया है, और अब उनका कान्स डेब्यू निश्चित रूप से उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

ऋषि कपूर चाहते थे, आलिया भट्ट से नहीं बल्कि इनसे होनी चाहिए थी रणबीर की शादी

मुम्बई। अब शादी होगी या नहीं इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं हैं। आलिया और रणबीर पिछले दो साल से रिलेशनशिप में हैं दोनों अप्रैल 2020 में शादी करने वाले थे लेकिन लॉकडाउन के कारण शादी को दिसंबर तक के लिए टाल दिया गया था। ये बाद तो अब हर कोई जानता है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर रिलेशनशिप में हैं। दोनों की दिसंबर में शादी भी होने वाली थी लेकिन रणबीर कपूर के पिता और बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर का स्वर्गवास हो गया। अब शादी होगी या नहीं इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं हैं। आलिया और रणबीर पिछले दो साल से रिलेशनशिप में हैं दोनों अप्रैल 2020 में शादी करने वाले थे लेकिन लॉकडाउन के कारण शादी को दिसंबर तक के लिए टाल दिया गया था। ऋषि कपूर ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह अपनी आंखों के सामने रणबीर की शादी देखना चाहता हूं। रणबीर 35 के हो गये हैं मैं उनपर कोई दबाव नहीं बनाना चाहता शादी को लेकर, लेकिन मैंने 27 में शादी कर ली थी इस लिए चाहता हूं रणबीर भी जल्द ही शादी कर लें। आलिया भट्ट के बारे में बाद करते हुए उन्होंने कहा था कि दोनों एक दूसरे के साथ है ये बात किसी से छुपी नहीं हैं। ऋषि दिल से चाहते थे कि दोनों की शादी जल्द हो जाए। इसके अलावा ऋषि कपूर ने एक बार अपने सोशल मीडिया पर रणबीर कपूर और निर्देशक आर्यन मुखर्जी की एक तस्वीर पोस्ट की थी जिसमें रणबीर और आर्यन साथ खड़े हुए हैं। इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए ऋषि कपूर ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि जिस तरह से ये दोनों साथ रहते हैं मुझे लगता है रणबीर तो आर्यन मुखर्जी से ही शादी कर लेनी चाहिए। ऋषि कपूर का ये ट्वीट उनके निधन के बाद सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा था। आपको बता दें कि 30 अप्रैल 2020 को सुबह 8.45 पर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर का निधन हो गया था। ऋषि कपूर पिछले दो साल से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। हाल ही में कैंसर का इलाज करवा कर ऋषि भारत लौटे थे।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।